वर्ष : 16 ❖ अंक : 102 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 19 नवम्बर 2021

कंगना पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हो : कांग्रेस 3

भारत ने 100 से अधिक देशों को भेजा कोरोना टीका : पीएम मोदी 8

मंत्रिमंडल की बैठक में कई परियोजनाओं के लिए राशि स्वीकृत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । ताशीलिंग सचिवालय में हाल ही में संपन्न हुई कैबिनेट की बैठक में कई परियोजनाओं के लिए वित्तीय राशियों का अनुमोदन किया गया। यह जानकारी आईपीआर विभाग की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

इसके अनुसार मंत्रिमंडल की बैठक में सिक्किम राज्य जैविक प्रमाणन एजेंसी (एसएसओसीए) को अनुदान सहायता के रूप में एक करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई। इसी प्रकार राजभवन की छत की मरम्मत के लिए भी एक करोड़ 42 लाख रुपये मंजूर किए गए गए हैं। वहीं सिक्किम खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को अनुदान के रूप में करीब तीन करोड़ रुपये दिए जाने की मंजूरी मिी है।

कैबिनेट ने टेमी टी एस्टेट को चालू वित्त वर्ष के लिए आठ करोड़ रुपये के अनुदान को मंजूरी दी है। इसके तहत पहली तिमाही के लिए अनुदान के रूप में करीब दो करोड़ रुपये जारी किए गए। इसी प्रकार मंत्रिमंडल की बैठक में पश्चिम जिला अंतर्गत लुंगजिक प्राइमरी स्कूल को लुंगजिक जूनियर हाई स्कूल के रूप में मान्यता देने के प्रस्ताव को भी मंजूर कर लिया गया। वहीं समग्र शिक्षा परियोजना के तहत चार संसाधन शिक्षकों/विशेष शिक्षकों के नियमितीकरण को भी स्वीकृति दी गई। इसी प्रकार बैठक में अन्य कई विभागों की परियोजनाओं के लिए भी राशि को मंजूरी प्रदान की गई है।

सिक्किम ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल को लेकर तैयारी बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । सिक्किम फिल्म प्रमोशन बोर्ड (एसएफपीबी) ने सिक्किम ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल को लेकर दूसरे संस्कारण को लेकर तैयारी बैठक की। राजधानी गंगटोक के मनन भवन में आयोजित बैठक में बोर्ड की अध्यक्ष पूजा शर्मा सभाध्यक्ष के रूप में उपस्थित थीं।

बैठक में पूजा शर्मा ने कहा कि सिक्किम ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल का दूसरा संस्करण राज्य में फिल्म पर्यटन, स्थानीय कलाकार और फिल्म निर्माताओं को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी फिल्म उत्सव के माध्यम से स्थानीय फिल्म निर्माता और डिजाइनरों को अपनी प्रतिभा प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर मिलेगा।

उन्होंने आगामी 10 से 14 दिसंबर 2021 तक प्रस्तावित सिक्किम ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल के बारे में भी जानकारी दी। बैठक में अनुपूरक और अस्थायी बजट पर भी चर्चा की गई। उन्होंने 14 फिल्म व्यक्ति और 10 प्रोडक्शनों को राज्य पुरस्कार के बारे में भी जानकारी दी।

पूजा शर्मा ने फेस्टिवल के साथ ही आगामी इंवेस्टर्स एंड प्रोड्यूसर्स मीट बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में सहभागी बनने वाले लोगों के लिए छांगु लेक तथा अन्य शूटिंग गंतव्य की रेकी टूर आयोजन करने की भी योजना है।

उन्होंने फेस्टिवल की सफलता के लिए स्थानीय लोगों से सक्रिय सहभागिता की अपील की। इसके अलावा बैठक में स्वयंसेवक, एमसी, जूरी, आतिथ्य, यातायात, होटल बुकिंग, डेकोर, नृत्य एवं सांगीतिक प्रतियोगिता आदि विषयों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर आईपीआर विभाग की सचिव सिफोरा तार्गेन, डीआईजी रेंज प्रवीण गुरुंग, एडीसी हेमंत राई आदि उपस्थित थे।

तोयांग टारी में धान कटनी उत्सव शुरु

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 18 नवम्बर । पश्चिम जिले के यांगथांग विधानसभा के तोयांग टारी खेत में दूसरी धान कटनी उत्सव-2021 आज से शुरु किया गया। उत्सव में क्षेत्र विधायक एवं मंत्री भीम हांग सुब्बा मुख्य अतिथि और ठेकादार संघ के अध्यक्ष एनबी दाहाल, गेजिंग खंड विकास अधिकारी मुकेश दाहाल, जिला पंचायत सदस्य रोशन खतिवड़ा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

यहां के प्रगतिशील कृषक प्रत्येक साल धान की फसल उगाते हैं। लेकिन गत साल से इसे उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उत्सव विशेष रूप से कृषि क्षेत्र को विकसित करने के साथ ही संस्कृति और परंपरा को यथावत रखने के लिए आयोजित किया जाता है। उत्सव की शुरुआत मुख्य अतिथि ने धान काट कर की। इस अवसर पर कृषकों ने अपनी खेतों में उत्पादित फसलों से निर्मित विभिन्न खाद्य सामग्री और पारंपरिक सामग्रियों का प्रदर्शन किया।

उत्सव का आयोजन तोयांग गांव के युवा कृषक करते हैं। महोत्सव का प्रमुख आकर्षण ओपन वालीबाल प्रतियोगिता थी। इस साल की प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेता को 1.50 लाख रुपये और आकर्षक ट्राफी और उपविजेता को एक लाख रुपये प्रदान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि मंत्री सुब्बा ने कहा कि इस उत्सव के माध्यम से संस्कृति, परंपरा और रीति रिवाज को जीवित रखने की शुरुआत की गई है। कार्यक्रम आयोजन के लिए मंत्री ने स्थानीय युवाओं को धन्यवाद दिया। मंत्री सुब्बा ने कार्यक्रम के समापन के दिन कृषि संबंधित विभिन्न सामागियां वितरित करने की जानकारी दी।

कृषि में संभावनाओं को समझें किसान : मंत्री शर्मा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । पूर्व जिले के लुइंग पर्बिंग, ग्राम प्रशासन केंद्र में राज्य कृषि एवं बागवानी तथा पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कृषि जागरुकता एवं टोकन वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर विभागीय मंत्री लोकनाथ शर्मा मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और आमंत्रित अतिथियों के हाथों लाभार्थियों को विभिन्न कृषि सहायता, टोकन और ऋण प्रोत्साहन वितरित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री शर्मा ने स्थानीय कृषकों से कृषि की संभावनाओं को समझने की अपील की। कृषकों को सरकार द्वारा मुहैया कराए गए अवसर और प्रोत्साहन का फायदा उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लुइंग राजधानी के निकट है इसका भी लाभ यहां के लोगों को उठाना चाहिए।

मंत्री शर्मा ने कृषि आत्मनिर्भर योजना के तहत 13 विभिन्न उत्पादनों पर राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए गए प्रोत्साहनों के बारे भी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सूअर, पशु पालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन के लिए राज्य सरकार ने प्रोत्साहन राशि प्रदान कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत अपर बुर्तुक के एक गांव को क्लस्टर के रूप में ग्रहण कर विकसित करने की भी घोषणा की।

पांच लाभार्थियों को मिले सिक्किम आवास योजना के तहत घर

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । रेनाक विधानसभा के विधायक विष्णु कुमार खतिवड़ा ने पूर्व पांडम ग्राम पंचायत इकाई में सिक्किम गरीब आवास योजना के तहत निर्मित पांच घर लाभार्थिकों को सौंपे।

लाभार्थियों में पदमचे वार्ड निवासी कुमार तमांग, तीनधारे वार्ड के फूर्वा तमांग, लोअर भस्मे वार्ड के धन बहादुर तमांग शामिल हैं। इस अवसर पर सिक्किम सहकारी उपभोक्ता समिति के अध्यक्ष सन्तोष कुमार प्रधान के साथ ही एसकेएम पार्टी के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। लाभार्थियों ने राज्य के मुख्यमंत्री और क्षेत्र विधायक के प्रति आभार प्रकट किया। वहीं क्षेत्र विधायक ने भी लाभार्थियों को बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम गरीब आवास योजना सिक्किम सरकार का ध्वजवाहक कार्यक्रम है। इस योजना के तहत घर 17 लाख 52 हजार रुपये की लागत से बनाया जाता है। इसमें टीवी, फर्नीचर, रसाई के लिए बर्तन आदि भी प्रदान किए जाते हैं। राज्य सरकार ने पूरे राज्य में इस योजना के तहत तीन हजार से भी अधिक घर बनाने का लक्ष्य रखा है।

महिलाओं के हित में कई कार्य कर रही है सरकार : गंगा परसाई

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 18 नवम्बर । एसकेएम नारी शक्ति की राज्य संयोजक एवं श्रम कल्याण बोर्ड की अध्यक्ष गंगा परसाई ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग ने राज्य की गरीब जनता, सरकारी कर्मचारी, शिक्षा क्षेत्र और शिक्षकों को समान सम्मान और न्याय दिया है।

यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि 25 साल तक राज शासन में कैद सिक्किमी जनता परिवर्तन की सरकार में राम राज्य महसूस कर रही है। उन्होंने उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से नारी, माताओं और बहनों के सम्मान के साथ इनके लिए विभिन्न सुविधा भी उपलब्ध कराई है। वर्तमान सरकार ने शिक्षिकाओं को मातृत्व अवकाश के रूप में एक साल की छुट्टी की घोषणा की है।

उन्होंने कहा कि एसकेएम सरकार ने सिक्किम की गरीब माताओं के बैंक खाते में प्रत्येक साल 20 हजार रुपये डालने की घोषणा की है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पांच से दस करोड़ रुपये तक की ठेकेदारी में केवल 50 प्रतिशत टीडीआर भुगतान की सुविधा प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने स्वयं सहायता समूहों को यूनिफार्म बनाने का ठेका दिया है इसके साथ ही स्वयं सहायता समूह को कुल पांच हजार लैपटाप के साथ 226 सिलाई मशीनें प्रदान की गई हैं। उन्होंने इन कार्यों के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है।

'सीबीएसई-आईसीएसई की 10वीं-12वीं की परीक्षा केवल ऑफलाइन मोड में होंगी'

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। सीबीएसई और आईसीएसई की दसवीं और बारहवीं टर्म परीक्षा का मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईब्रिड परीक्षा कराने से इनकार कर दिया है। परीक्षा मोड में बदलाव नहीं होगा।

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की पहले सत्र की परीक्षाएं 16 नवंबर से शुरू हो गयी हैं जबकि काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआईएससीई) की बोर्ड परीक्षाओं के पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 22 नवंबर से शुरू होनी हैं।

सीबीएसई की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति ए एम खानविल्कर और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की पीठ को बताया कि ऑफलाइन माध्यम से बोर्ड परीक्षाएं कराने के लिए सभी एहतियात बरते गए हैं और परीक्षा केंद्रों की संख्या 6,500 से बढ़ाकर 15,000 तक कर दी गयी है।

पीठ ने कहा कि वह उम्मीद और विश्वास करती है कि प्राधिकारी यह सुनिश्चित करने के लिए सभी एहतियात और उपाय करेंगे कि परीक्षा के दौरान किसी के भी साथ कुछ अप्रिय नहीं हो।

शीर्ष अदालत बोर्ड परीक्षाएं दे रहे छह छात्रों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में सीबीएसई और सीआईएससीई को 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं कोविड-19 महामारी के बीच केवल ऑफलाइन माध्यम के बजाय हाइब्रिड माध्यम में कराने के लिए संशोधित परिपत्र जारी करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने पीठ को बताया कि वह विरोध में नहीं हैं और उनका तो सिर्फ यही अनुरोध है कि बोर्ड परीक्षाएं दे रहे छात्रों को हाइब्रिड माध्यम का विकल्प भी उपलब्ध कराया जाए। हेगड़े ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार, ऐसी जगह वायरस फैलने की आशंका है जहां कई लोग एकत्रित होते हैं।

मेहता ने कहा कि करीब 34 लाख छात्र 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में बैठेंगे। उन्होंने कहा, सीबीएसई की परीक्षाएं पहले ही 16 नवंबर को शुरू हो गयी हैं। उन्होंने बताया कि प्राधिकारियों ने कोरोना वायरस फैलने की आशंका को लेकर जतायी चिंता का ध्यान रखा है।

पीठ ने हेगड़े से पूछा, हमें इस बारे में काफी व्यवहारिक रहने दीजिए। परीक्षाएं पहले ही शुरू हो गयी हैं। अब इसे कैसे ऑनलाइन बनाया जा सकता है।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि कोविड-19 की स्थिति बदलती रहती है और छात्रों को हाइब्रिड माध्यम से बोर्ड परीक्षाएं देने का विकल्प दिया जाना चाहिए।

एनआईए ने बेंगलुरु में आईएसआईएस का संदिग्ध आतंकी पकड़ा

बेंगलुरू, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अधिकारियों ने आईएसआईएस के एक संदिग्ध आतंकवादी को बेंगलुरू से गिरफ्तार किया है। संदिग्ध आतंकवादी की पहचान जोहैब मन्ना के रूप में हुई है और उसे बुधवार को गिरफ्तार किया गया।

एनआईए के सूत्रों के मुताबिक, साल 2020 से ही उस आरोपी की तलाश की जा रही थी। आरोपी आईएसआईएस और आईएसआईएल जैसे आतंकी संगठनों के संपर्क में रहा है।

जोहैब मन्ना कथित तौर पर भोले-भाले युवकों का ब्रेनवॉश करता था और उन्हें आतंकवादी संगठनों में भर्ती करता था, खासकर आईएसआईएस में। उसने 'कुरान सर्ल' नाम से एक ग्रुप बनाया था और युवाओं को हथियार उठाने के लिए उकसाता था। आरोपियों ने मासूम युवकों के दिमाग में जहर घोलने के लिए सीरिया की हिंसक तस्वीरें और वीडियो दिखाए थे। उसने भारत से कई युवकों को तुर्की के रास्ते सीरिया भेजा है।

एनआईए ने भारत में आईएसआईएस के लिए धन जुटाने के आरोप में बेंगलुरु में चावल व्यापारी इरफान नासिर, तमिलनाडु के एक बैंक कर्मचारी अहमद अब्दुल खादर और एक डॉक्टर मोहम्मद तौकीर महबूब को गिरफ्तार किया था।

सभी आरोपी इस आतंकी समूह से ताल्लुक रखते हैं और तभी से एनआईए के रडार पर हैं। जांच से पता चला कि आरोपियों को भारत में राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए फंडिंग की गई थी।

आरोपी सीरियाई आईएसआईएस आतंकवादियों के संपर्क में थे। धार्मिक प्रवचनों के बहाने बेंगलुरु के युवाओं, छात्रों और पेशेवरों को आतंकवाद की ओर ले गए। आरोपियों ने भारत से युवाओं के सात जत्थे को सीरिया भेजा है।

एनआईए जांच से पता चला है कि आतंकी ने शहर के बाहरी इलाके में डेरा डाला और सऊदी अरब से मिल रहे निर्देशों के अनुसार काम किया। समूह ने भारत में एक मजबूत आईएसआईएस आतंकवादी संगठन बनाने की योजना बनाई थी।

देश में आए कोरोना के 11919 नए मामले, 470 लोगों की हुई मौत

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। भारत में कोविड-19 के 11,919 नए मामले आने से कोरोना वायरस के संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 3,44,78,517 हो गयी जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,28,762 पर पहुंच गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, 470 और मरीजों के जान गंवाने के बाद, मृतकों की संख्या बढ़कर 4,64,623 हो गयी है।

कोरोना वायरस के रोज आने वाले मामले लगातार 41वें दिन 20,000 से कम हैं और लगातार 144वें दिन 50,000 से कम हैं। मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,28,762 हो गयी है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 0.37 प्रतिशत है और यह मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की दर 98.28 प्रतिशत है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे अधिक है।

पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 207 मामलों की वृद्धि दर्ज की गयी है। दैनिक संक्रमण दर 0.97 प्रतिशत दर्ज की गयी जो पिछले 45 दिनों से दो प्रतिशत से कम पर बनी हुई है।

साप्ताहिक संक्रमण दर 0.94 प्रतिशत दर्ज की गयी। यह पिछले 55 दिनों से दो प्रतिशत से कम है। आंकड़ों के अनुसार, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या 3,38,85,132 हो गयी है जबकि मृत्यु दर 1.35 प्रतिशत है। देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक टीके की 114.46 करोड़ खुराक दी जा चुकी है।

देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे।

उत्पल परिकर ने बीजेपी को दी चेतावनी

पणजी, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। पूर्व रक्षा मंत्री (दिवंगत) मनोहर परिकर के बेटे उत्पल परिकर ने गुरुवार को कहा कि अगर गोवा के आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा ने मुझे पणजी से टिकट नहीं दिया तो मुझे कुछ सख्त फैसले लेने पड़ेंगे। गोवा में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने पणजी विधानसभा से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने का अपना फैसला दोहराते हुए विश्वास जताया कि पार्टी उन्हें उस सीट से टिकट देगी जहां से उनके पिता लंबे समय तक प्रतिनिधित्व करते रहे थे।

उत्पल ने यह बात अपने जन्मदिन पर पणजी में महालक्ष्मी मंदिर में दर्शन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कही। इस सवाल पर कि अगर भाजपा उन्हें टिकट नहीं देती है तो क्या वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे, उत्पल ने कहा, 'मैं अभी इसके बारे में बात नहीं करना चाहता हूं। मनोहर परिकर को जीवन में कुछ भी आसानी से नहीं मिला था। मैं भी इसके लिए मेहनत से काम करूंगा और मैं कुछ कठिन फैसले भी ले सकता हूं। मैंने देवी (महालक्ष्मी) से ताकत मांगी है।'

उन्होंने बताया कि मैं पहले ही भाजपा को बता चुका हूं कि मैं पणजी से चुनाव लड़ना चाहता हूं। मुझे विश्वास है कि मेरी पार्टी मुझे टिकट देगी। भाजपा नेता ने आगे कहा कि मैं उस पार्टी में बना रहना चाहता हूं जिसकी इस राज्य में वृद्धि का श्रेय मनोहर परिकर के प्रयासों को दिया जा सकता है। उन्होंने कहा, जब फैसला लेने का समय आएगा तब मैं अपने लोगों की बात सुनूंगा। हालांकि, इसके आगे उन्होंने भविष्य की योजनाओं पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

गोवा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर परिकर का निधन साल 2019 में हुआ था। उनकी मृत्यु के बाद पणजी में उपचुनाव करवाए गए थे जिसके लिए भाजपा ने जिन उम्मीदवारों को चयनित किया था उनमें उत्पल परिकर का नाम भी शामिल था। लेकिन बाद में भाजपा ने यहां से सुद्धार्थ कुनकोलिंकर को अपना प्रत्याशी बनाया था।

सीएम योगी के निर्देश, कोरोना टीके के लिए घर-घर शुरू कराया जाए सर्वे

लखनऊ, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोविड टीकाकरण और तेज करने के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया जाए। लक्षित आयु वर्ग के जिन लोगों ने अभी तक टीके की खुराक नहीं ली है, उन्हें वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया जाए। दिव्यांग, निराश्रित व वृद्धजनों से संपर्क कर उनका टीकाकरण कराएं। इस काम के लिए मुख्य चिकित्साधिकारी, ग्राम प्रधानों व पार्षदों का सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि निकाय सीमा में शामिल गांवों में शहरी सुविधाएं विकसित की जाएं।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को अपने आवास पर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा के दौरान कहा कि बचाव और उपचार की व्यवस्थाओं को निरन्तर बेहतर बनाए रखा जाए। कोविड प्रोटोकॉल का पूर्णतया पालन सुनिश्चित कराया जाए। मुख्यमंत्री को बताया गया कि 24 घंटों में राज्य में कोरोना संक्रमण के 12 नए मामले सामने आए हैं। इस अवधि में छह व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया। वर्तमान में प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 101 है। मुख्यमंत्री को बताया गया कि प्रदेश में 14 करोड़ 40 लाख से अधिक कोरोना वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी हैं। प्रदेश में जीका वायरस की पॉजिटिविटी दर में निरन्तर कमी आ रही है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि जीका वायरस से संक्रमित प्रत्येक मरीज के स्वास्थ्य की सतत निगरानी की जाए। ट्रेसिंग व टेस्टिंग को और तेज किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या के स्थायी निदान के लिए नियोजित प्रयास की जरूरत है। निजी वाहन के स्थान पर परिवहन के सार्वजनिक साधनों के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए। किसानों को पराली न जलाने के लिए जागरूक किया जाए।

छात्र-छात्राओं को डिजिटल शक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से टैबलेट व स्मार्टफोन उपलब्ध कराने जा रही है। इसके लिए जरूरी तैयारी समय से पूरी कर ली जाएं। धान खरीद केंद्रों पर व्यवस्था सुचारु बनी रहे। डीएम निरीक्षण करें। किसानों को समय से उनकी उपज के मूल्य का भुगतान किया जाए।

आर्थिक अपराध कर भागने वालों को भारत लाने के लिए क्या कर रही सरकार, पीएम ने बताया; बोले- वापस लौटना ही होगी

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार हाई-प्रोफाइल आर्थिक अपराधियों को देश में वापस लाने की पूरी कोशिश कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि इन अपराधियों को वापस लाने के लिए डिप्लोमैटिक समेत अन्य सभी चैनलों के जरिए कोशिश की जा रही है। कोशिश यह है कि इन अपराधियों के पास भारत वापस लौटने के अलावा कोई दूसरा विकल्प ना बचे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'निर्बाध ऋण प्रवाह एवं आर्थिक वृद्धि के लिए सिनर्जी का निर्माण' विषय पर आयोजित एक परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे। पीएम मोदी ने बैंकों से कहा कि वो धन-संपत्ति का सृजन करने वालों और नौकरियां पैदा करने वालों का समर्थन करें। साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें वादा करना चाहिए कि वो कर्ज सही दिशा में ही देंगे।

पीएम मोदी ने कहा, भगोड़े आर्थिक अपराधियों को वापस लाने की कोशिशों के तहत हम नीतियों और कानूनों पर भरोसा कर रहे हैं और डिप्लोमैटिक चैनल्स का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। हमारा मैसेज बहुत साफ है- अपने देश वापस लौटें...हम उन्हें वापस लाने के लिए कोशिशें जारी रखेंगे।' हालांकि, पीएम मोदी ने इस दौरान किसी भी आर्थिक भगोड़े का नाम नहीं लिया।

भारत, मनी लॉन्ड्रिंग और बैंक को चूना लगा कर देश से भाग चुके आर्थिक अपराधियों को वापस लाने की पूरी कोशिश में जुटा है। विजय माल्या, नीरव मोदी ये कुछ ऐसे बड़े भगोड़े आर्थिक अपराधी हैं जो देश में इस वक्त वांटेड हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इन आर्थिक अपराधियों से अब तक 5 लाख करोड़ रुपए अलग-अलग तरह से वसूले गये हैं।

पीएम मोदी ने बताया कि भारतीय बैंक पहले से काफी मजबूत हुए हैं और वो नई ऊर्जा के साथ देश की आर्थिक व्यवस्था में नए तरीके जान फूंकने के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री ने बैंकरों का आह्वान करते हुए कहा, ''बैंकों को धन-संपत्ति का सृजन करने वालों और नौकरियां पैदा करने वालों का समर्थन करना है। वक्त आ गया है कि अब बैंक अपनी बैलेंस शीट के साथ ही देश की बैलेंस शीट भी सुधारने में मदद करें।''

उन्होंने बैंकरों को कारोबारों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए उनकी जरूरत के हिसाब से समाधान मुहैया कराने को भी कहा। उन्होंने कहा, ''आप ग्राहकों के बैंक आने का इंतजार न करें। आपको उनके पास जाना होगा।''

प्रधानमंत्री ने पिछले पांच वर्षों में बैंकों की गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) सबसे कम होने और बैंकों के पास समुचित तरलता होने का जिक्र करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के बावजूद बैंकिंग क्षेत्र चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में मजबूत बना रहा। इसकी वजह से अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने इस क्षेत्र का परिदृश्य भी सुधारा है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में गठित राष्ट्रीय परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी (एनएआरसीएल) से दो लाख करोड़ रुपये मूल्य की दबावग्रस्त परिसंपत्ति के समाधान में मदद मिलेगी। मोदी ने कहा, ''पिछले छह-सात वर्षों में हुए सुधारों ने बैंकिंग क्षेत्र को आज मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। हमने बैंकों की एनपीए समस्या का समाधान निकाला है, बैंकों में नई पूंजी डाली है, दिवालियापन संहिता लेकर आए और ऋण वसूली न्यायाधिकरण को सशक्त किया है।''

तमिलनाडु पुलिस ने पूर्व मंत्री के खिलाफ धोखाधड़ी के 2 मामले किए दर्ज

चेन्नई, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। विरुधुनगर जिला अपराध शाखा पुलिस ने पूर्व मंत्री राजेंद्र भालाजी, उनके सहायकों और अन्नाद्रमुक के एक पूर्व पदाधिकारी के खिलाफ धोखाधड़ी के दो मामले दर्ज किए हैं। अन्नाद्रमुक के एक पूर्व पदाधिकारी के. नल्लाथंबी द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर मामले दर्ज किए गए, जिसमें उन्होंने कई लोगों से 1.6 करोड़ रुपये लिये थे और सरकारी नौकरी पाने के लिए भालाजी के करीबी लोगों को पैसे सौंपे थे।

तमिलनाडु के सत्तूर के एक व्यक्ति एस. रवींद्रन ने कहा कि उन्होंने 20 नवंबर से फरवरी 2021 के बीच अन्नाद्रमुक के केंद्रीय सचिव के. नल्लाथंबी को 30 लाख रुपये दिये थे।

उन्होंने शिकायत की कि अन्नाद्रमुक के एक अन्य पदाधिकारी, मरियप्पन ने उन्हें आविन में प्रबंधक के रूप में नौकरी देने का वादा किया था, जिन्होंने उन्हें नल्लाथंबी से मिलवाया था। रवींद्रन ने कहा कि उन्होंने कई ऋण लेकर जुटाए गए 30 लाख रुपये की राशि राजेंद्र बालाजी से उनके आवास पर मिलने के बाद नल्लाथंबी को दी थी।

रवींद्रन ने यह भी आरोप लगाया कि एआईएडीएमके के विरुधुनगर पूर्वी जिला सचिव, रविचंद्रन नल्लाथंबी के भाई थे और उन्हें पैसे सौंपे जाने के बारे में भी पता था। उन्होंने कहा कि अन्नाद्रमुक के विधानसभा चुनाव हारने और द्रमुक सरकार के सत्ता संभालने के बाद, वह उनमें से किसी से भी नहीं मिल पाए।

इस बीच, नल्लाथंबी ने पूर्व मंत्री राजेंद्र भालाजी और उनके सहयोगियों बाबूराज, मुथुपांडियन और बलरामन के खिलाफ भी शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने कई लोगों से नौकरी का वादा करके 1.60 करोड़ रुपये लिये थे और पैसे अपने सहयोगी भालाजी को सौंप दिए थे।

नल्लाथंबी ने यह भी आरोप लगाया कि भालाजी ने उन्हें 1.40 करोड़ रुपये नहीं लौटाए, जो उन्होंने भालाजी के निर्देशों के तहत अन्नाद्रमुक के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए खर्च किए थे। शिकायत में, अन्नाद्रमुक के पूर्व पदाधिकारी ने यह भी कहा कि उन्हें भालाजी और उनके सहयोगियों से जान से मारने की धमकी मिल रही थी।

हैदरपोरा मुठभेड़ : धरने पर बैठे उमर, परिजनों को शव लौटाने की मांग

श्रीनगर, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। हैदरपोरा में सोमवार को हुई कथित मुठभेड़ ने कश्मीर में राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। विभिन्न राजनीतिक और गैर-राजनीतिक संगठनों ने मुठभेड़ पर सवाल उठाते हुए अपना विरोध दर्ज कराया है।

मुठभेड़ में मारे गए चार लोगों में से दो के शव उनके परिवारों को सौंपने की मांग की जा रही है। इस मुद्दे पर विरोध जताते हुए पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गुरुवार को धरने पर बैठे, कांग्रेस के दिग्गज नेता सैफुद्दीन सोज ने राज्यपाल को पत्र लिखा और कई अन्य दलों ने मार्च निकाला।

पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं के साथ उमर अब्दुल्ला श्रीनगर के सोनवार इलाके में चौराहे पर धरने पर बैठ गए।

जब पत्रकारों ने उमर से मुठभेड़ की मजिस्ट्रियल जांच कराने के उपराज्यपाल के फैसले पर उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा, 'मेरा उस मजिस्ट्रेट जांच से कोई लेना-देना नहीं है। अगर मुझे इससे कुछ लेना-देना होता, तो मैं नहीं यहां धरने पर नहीं बैठा होता।'

उन्होंने कहा, 'मेरी मांग है कि इस मुठभेड़ में मारे गए नागरिकों के शव उनके परिवारों को लौटाए जाएं।'

हैदरपोरा मुठभेड़ पर पुलिस के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए, उमर अब्दुल्ला ने कहा, 'मैं अभी भी यह नहीं समझ पा रहा हूं कि हाइब्रिड आतंकी शब्द का क्या अर्थ है।'

उन्होंने आगे कहा, 'मैं 6 साल तक मुख्यमंत्री रहा। मैंने एकीकृत मुख्यालय की बैठकों का नेतृत्व किया और खुफिया रिपोर्ट प्राप्त की। मैंने हाइब्रिड आतंकवादी शब्द कभी नहीं सुना।'

हैदरपोरा की घटना की निंदा करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सैफुद्दीन सोज ने कहा कि उन्होंने एलजी को एक पत्र लिखा है।

सोज ने कहा, 'आज, मैंने माननीय उपराज्यपाल, श्री मनोज सिन्हा को हाल ही में हैदरपोरा मुठभेड़ के बारे में ऑढ़ता से लिखा है और इससे संबंधित तथ्यों के आधार पर जनता की धारणा को उनके ध्यान में लाया है।'

उन्होंने कहा, 'अपने पत्र में, मैंने उपराज्यपाल से कहा कि हत्याओं को टाला जा सकता था, अगर प्रशासनिक तंत्र के प्रतिनिधियों ने प्रतिक्रिया के लिए तथ्यों को जानने का तरीका अपनाया होता, जो कि बड़े पैमाने पर जनहित में होता।'

सोज ने अपने बयान में कहा, 'मैंने इस तथ्य पर बहुत जोर दिया कि निर्दोष नागरिकों की हत्याएं एक बड़ा पाप है, खासकर जब हत्याओं ने सामाजिक-अशांति को उकसाया हो।'

सोज ने आगे कहा कि उन्होंने उपराज्यपाल से कहा है कि प्रकरण के साक्ष्य स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि हत्याओं को टाला जा सकता था। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने का अनुरोध किया है, ताकि व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए तथ्य सामने आ सकें।'

उन्होंने आगे कहा, 'इस बीच, मैंने उपराज्यपाल से यह भी अनुरोध किया है कि मारे गए अल्ताफ अहमद भट, डॉ. मुदासिर गुल और आमिर अहमद के शव तुरंत संबंधित परिवारों को सौंपे जाएं, जिसके लिए वे प्रशासन से लगातार अनुरोध कर रहे हैं।'

जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस ने भी हैदरपोरा मुठभेड़ में मारे गए नागरिकों के शवों की वापसी और मामले की एक सेवारत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच शुरू करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल गनी वकील ने कहा कि हैदरपोरा मुठभेड़ पर संदेह जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।

माओवादियों पर बड़ा प्रहार, मदद करने वालों के 14 ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

हैदराबाद, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी को समर्थन देने, उनकी मदद करने के आरोप में कई जगह छापेमारी की। एनआईए ने इस संबंध में हैदराबाद में 14 ठिकानों और आंध्र प्रदेश के प्रकाशम और विशाखापट्टनम जिलों में भी रेड की। ये छापेमारी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में हाल ही में नक्सलियों के साथ हुए एनकाउंटर के बाद की गई है।

आंध्र प्रदेश पुलिस के एक अधिकारी मुताबिक, एनआईए के पास गढ़चिरौली में हुई मुठभेड़ के बाद से ही पुख्ता जानकारी थी। इस एनकाउंटर में पुलिस ने 27 माओवादियों को मार गिराया गया था। यह छापेमारी सुबह 5 बजे शुरू हुई थी।

एनआईए ने सबसे पहले प्रकाशम जिले में कवि और विप्लव रचयितला संघम के नेता जी कल्याण राव के घर पर छापेमारी की। एनआईए ने कल्याण राव के पास से माओवादी पार्टी समर्थक कुछ साहित्य भी जब्त किया है। कल्याण राव माओवादी पार्टी की सेंट्रल कमेटी के सदस्य अक्कीराजू हरगोपाल उर्फ रामकृष्ण के भी करीबी हैं। अक्कीराजू की इसी साल 14 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के जंगल में किडनी संबंधी बीमारी की वजह से मौत हो गई थी।

रामकृष्ण की शआदी कल्याण राव की साली से हुई थी और दोनों ने आंध्र प्रदेश सरकार के साथ साल 2004 में हुई माओवादी पार्टी की वार्ता में हिस्सा लिया था। एनआईए अधिकारियों ने वकील और महिला संघ की नेता अन्नपूर्णा के घर पर भी छापेमारी की।

हैदराबाद में एनआई ने अमरुला बंधु मित्रूला संघम की अध्यक्ष पद्मा कुमारी और सुभाष नगर इलाके की सचिव भवानी के आवास पर भी छापेमारी की। एनआईए की ओर से छह पूर्व माओवादियों के घर पर भी छापेमारी हुई। इनमें नारला रवि शर्मा भी शामिल है।

शाहरुख पठान की कोर्ट में दलील, पुलिस पर बंदूक तानने के पीछे केवल डराना था इरादा

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। पिछले साल दिल्ली में दंगों के दौरान पुलिस के एक हेड कांस्टेबल पर कथित तौर पर बंदूक तानने वाले शाहरुख पठान ने कोर्ट में दलील दी है उसने गोली नहीं चलाई और वो केवल उन्हें डराना चाहता था। पिछले साल राजधानी में सांप्रदायिक दंगों के दौरान दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल दीपक दहिया पर बंदूक तानते हुए शाहरुख पठान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। शाहरुख को 3 मार्च, 2020 को गिरफ्तार किया गया था और फिलहाल वह तिहाड़ जेल में बंद है।

गुरुवार को मामले की सुनवाई के दौरान शाहरुख की वकील मेनका गुरुस्वामी ने कोर्ट में घटना के समय का एक 26 सेकेंड का वीडियो भी चलाया है और कहा कि आरोपी ने दो गोलियां चलाईं थी, जिसमें एक हवाई फायरिंग थी और दूसरी गोली सीधे चलाई थी, जिसके बाद पुलिस कांस्टेबल दहिया से तीखी नोकझोंक की और फिर वापस लौट गया।

इस बीच अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने वकील को वीडियो फिर से चलाने के लिए कहा और हवा में गोली चलाने से ठीक पहले शाहरुख की बंदूक की स्थिति की ओर इशारा किया। जज ने कहा, उसके बंदूक की स्थिति को देखें। वह ऊपर की ओर नहीं है बल्कि सीधा है। जब वह निशाना लगा रहा था तो बंदूक सीधी थी।

हालांकि, वकील ने स्पष्ट किया कि दोनों में से किसी ने भी हेड कांस्टेबल को निशाना नहीं बनाया। बचवा में वकील ने आगे कहा कि मामला दहिया पर आधारित है। वह संभावित शिकार है और उस पर गोली नहीं चलाई जाती है। पहली गोली हवा में और दूसरी दाईं ओर चलाई गई।

गुरुस्वामी ने कोर्ट से कहा कि अगर आरोपी उसे गोली मारना चाहता, तो उसने ऐसा किया होता लेकिन ऐसा इरादा नहीं था। आरोपी पलटा और फिर भाग गया। क्या इनमें से कोई भी उसे गोली मारने के इरादे को दर्शाता है? केवल डराने की मंशा थी।

वकील ने कोर्ट ने दलील दी कि 26 सेकेंड के वीडियो में दहिया के पास पुलिस कांस्टेबल को मारने या फिर घायल करने का पर्याप्त अवसर था, लेकिन उसने केवल डारने की कोशिश की। वकील ने कहा कि एक नागरिक की ओर से पुलिस अधिकारी को डराना आपत्तिजनक है, लेकिन यहां आईपीसी की धारा 307 के तहत केस नहीं बनता है क्योंकि उसका मारने का कोई इरादा नहीं था। वहीं, पुलिस की ओर से पेश हुए स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर अनुज हांडा ने कहा कि आरोपी ने पुलिस वाले पर स्पष्ट रूप से बंदूक तान दी थी।

प्रसव पीड़िता का आरोप

एक हजार नहीं दी तो जजनी एक्सप्रेस वाहन से चालक ने उतारा

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली (मध्य प्रदेश), 18 नवम्बर। महिला ने जननी एक्सप्रेस वाहन के चालक को एक हजार रूपये नहीं दिया तो उसने वाहन से उतार दिया। इस तरह का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। हालांकि यह वीडियो कब का है नवभारत इसकी पुष्टि नहीं करता। किन्तु वीडियो सोशल मीडिया में आने के बाद जिकित्सा हेल्थ केयर के जिला प्रभारी रविन्द्र खरे की कार्यप्रणाली पर भी ऊंगली उठने लगी है।

मामला उर्ती गांव के प्रसव पीड़िता शिवकुमारी यादव, पति उपनेश यादव का है। जहां प्रसव पीड़ा से कराह रही महिला को सूचना के आधार पर जननी एक्सप्रेस का चालक गया हुआ था। महिला का आरोप है कि जननी एक्सप्रेस वाहन क्र.एमपी 09 एसी 8039 के चालक 1000 रूपये गोभा बैढऩ पहुंचाने के एवज में मांग रहा था। जहां महिला रकम देने से असमर्थता जतायी और अपने गरीबी का हवाला दिया। जहां उसे वाहन से उतार दिया। प्रसव पीड़ित महिला के सहयोग में एक अन्य महिला थी वह अपने जेब से उक्त रकम देने के लिए तैयार होने लगी। लेकिन इसी दौरान किसी युवक ने चालक के करतूतों का वीडियो बनाने लगा तो चालक जननी एक्सप्रेस का चालक पलटी मार गया और उसने अपने आपको पाक साफ साबित करने का प्रयास करते हुए चलते बना। इधर आरोप है कि 108 वाहन जिला प्रभारी के सह पर गर्भवती महिलाओं से वसूली की जाती है। आरोप यह भी है कि उक्त चालक

जिला प्रभारी का खासमखास है इसलिए इस पर दरियादिली दिखा रहे हैं। जिगित्सा हेल्थ केयर के चालक द्वारा की जा रही अवैध नजराना शुल्क को लेकर सोशल मीडिया में वायरल वीडियो एक चर्चा का विषय बन गया है। पीड़ित महिला के परिजनों ने कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराकर कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

चंदा लेकर लड़ा चुनाव, रिकार्ड वोटों से जीतीं शिवरानी, 12वें स्थान पर रहीं जदयू प्रदेश उपाध्यक्ष श्वेता सुमन

रामपुर (भभुआ), 18 नवम्बर (नि.सं.)। भभुआ के रामपुर में मतदाताओं के एक महिला प्रत्याशी को चुनाव लड़ने के लिए न सिर्फ चंदा दिया बल्कि वोटों की झड़ी भी लगा दी। इसका असर रहा कि अनुसूचित जाति की शिवरानी देवी रिकार्ड मतों से जिला परिषद सदस्य पद की जीत गई हैं। शिवरानी ने 23310 मत पाकर शिशम को 19590 वोटों से हराया। कुमार शिशम को सिर्फ 3720 मत प्राप्त हुए।

इस चुनाव की सबसे अहम बात यह रही कि रामपुर सीट से जदयू महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष श्वेता सुमन को करारी हार मिली है। सिर्फ 1687 मत प्राप्त पाते हुए वह 12वें स्थान पर चली गई हैं। पिछली बार के पंचायत चुनाव में श्वेता ने भगवानपुर की जिला परिषद सदस्य की सीट जीती थीं। इस बार के चुनाव में इन्होंने अपना चुनाव क्षेत्र रामपुर बनाया और हार मिली।

श्वेता सुमन ने पिछले विधानसभा चुनाव में रालोसपा के टिकट पर मोहनियां सुरक्षित सीट से भाग्य अजमाया था। इन्हें राजद की संगीता कुमार से हार मिली थी। जिले में शिवरानी सबसे अधिक मत लाने और सबसे ज्यादा वोट से जीतने वाली महिला बन गई हैं।

बुधवार को भगवानपुर जिला परिषद सदस्य पद का चुनाव परिणाम आया तो कल तक सबसे अधिक मत 15715 पाने वाली महिलाओं में समदेइया देवी का नाम था। इनकी निकटतम प्रतिद्वंदी रहीं मुस्कान कुमारी की झोली में 7461 मत प्राप्त हुए थे। लेकिन, शिवरानी को मिले मत व जीत के मतों में काफी का अंतर बनाते हुए आगे निकल गईं।

चैनपुर दक्षिणी क्षेत्र के जिला परिषद सदस्य पद से बुल्लू राम चुनाव जीते थे। इन्हें 9095 और इनके प्रतिद्वंदी आलोक कुमार को 8229 मत मिले थे। जबकि चैनपुर उत्तरी सीट से 5776 मत लानेवाले अखिलेश प्रसाद चौरसिया ने जीत दर्ज कराई थी। इनके प्रतिद्वंदी रहीं रुकमणि देवी को 3822 मत मिले थे।

चांद पूरबी सीट पर मणि सिंह 5527 मत लाकर चुनाव जीते हैं। जबकि इनके प्रतिद्वंदी आलोक परमार सिंह को 4963 वोट पर संतोष करना पड़ा था। चांद प्रखंड की ही पश्चिमी सीट से जिला परिषद के चेयरमैन रहे विश्वंभर नाथ सिंह यादव ने 6424 मत लाकर पुष्प कुमार सिंह को चुनाव हराया था। पुष्प को 5506 मत हासिक हो सके थे।

रामपुर से जिला परिषद सदस्य पद से नवनिर्वाचित शिवरानी देवी के पति नंदलाल राम ने राष्ट्रीय मजदूर संघ एकता पार्टी बनाई है। पूछने पर उन्होंने बताया कि वह कांग्रेस के सदस्य थे। जब लोकसभा चुनाव के दौरान उन्हें टिकट नहीं मिला तो सासाराम संसदीय क्षेत्र की सांसद रहीं मीरा कुमार के खिलाफ वर्ष 2014 में चुनाव लड़े। इसके पहले वर्ष 2005 में भभुआ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर हार का स्वाद चख चुके हैं। हालांकि पिछले पंचायत चुनाव में भी शिवरानी ने जिला परिषद सदस्य पद से चुनाव लड़ा था। लेकिन, सविता देवी से चुनाव हार गई थीं। इस बार सविता देवी को मात्र 978 मत मिले हैं। जिला परिषद सदस्य पद से पहली बार चुनाव में जीत दर्ज करने वाली शिवरानी देवी ने कहा कि वह गरीब हैं। अधिया-बंटइया पर खेत लेकर किसी तरह पेट पालने वाले उनके पति का पूरा समय समाजसेवा में कट जाता है। वह गरीबी झेल व देख रही हैं। इसलिए वह आमजनों के रोजी-रोजगार के लिए संघर्ष करेंगी। योजनाओं में स्थानीय मजदूरों को काम दिलवाएंगी। सदन में क्षेत्र के विकास को लेकर मुखर रहेंगी।

चीन और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर केंद्र जवाब दे : कांग्रेस

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने दावा किया है कि चीन ने भूटान में 100 किलोमीटर भूमि हड़पने और अवैध घुसपैठ कर 4 नए गांवों को स्थापित कर लिया है। जोकि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है इसलिए केंद्र सरकार को इस मामले में जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने गुरुवार को कहा कि चीन ने भूटान में 100 किलोमीटर भूमि हड़पी है और अवैध घुसपैठ कर 4 नए गांवों को स्थापित कर लिया है।

उन्होंने इनीस सैन्य विकास पर एक प्रमुख उपग्रह इमेजरी विशेषज्ञ सी द्वारा ट्वीट की गई नई उपग्रह तस्वीरों का हवाला देते हुए दावा किया कि पिछले वर्ष के दौरान चीनी गांवों के तानीज क्षेत्र के पोर्ट किए गए निर्माण को ये तस्वीरें दर्शाती हैं।

वहीं इस मसले पर कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने प्रेसवार्ता कर कहा कि लगभग 100 वर्ग किमी यानी 25 हजार एकड़ के क्षेत्र में कई नए गांव फैले हुए दिखाई दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इनीस सैन्य विकास उपग्रह की ये तस्वीरें बेहद हैरान करने वाली हैं। भूटान की जमीन पर किया गया निर्माण भारत के लिए विशेष रूप से चिंताजनक है। भूटान की सीमा डोकल के बेहद करीब है। इस पूरे मसले केंद्र सरकार को अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। केंद्र की ओर से सामरिक तौर पर, सैन्य स्तर पर, कूटनीतिक स्तर पर और भौगोलिक स्तर पर या बातचीत के लेवल पर क्या कदम उठाए जा रहे हैं। इस मसले पर केंद्र को देश की जनता के सामने अपना पक्ष रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ये भी सार्वजनिक है कि भारत ने भूटान को अपनी विदेश नीति पर सख्त सलाह दी है और अपनी नौसेना को प्रशिक्षित करना जारी रखा है। भूटान को अपनी जमीनों पर फिर से बातचीत करने के लिए लगातार अड़ियल दबाव का सामना करना पड़ा है।

गौरव वल्लभ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की ओर से लगातार चीन का नाम लेने से बचा जा रहा है। चीन के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। क्या वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी प्रसारवादी नीति या अन्य पर्यायवाची शब्दों के सहारे चीन को सम्बोधित कर रहे हैं। क्यों नहीं चीन को दो-टूक जवाब दिया जा रहा है?

इससे पहले भी प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि 'चीन पहले न भारत की सीमा में घुस था न अब घुस हुआ है।' उन्होंने सवाल किया कि भारत की तरफ से चीन को लगातार क्लीन चिट क्यों दी जा रही है।

वहीं दूसरी ओर भूटान ने चीन द्वारा उसकी सीमा में 2.5 किलोमीटर अंदर घुसपैठ कर गांव बसाने की खबरों का खंडन किया है। भारत में भूटान के राजदूत वेटसोप नामग्येल ने इस मसले पर कहा कि भूटान के अंदर चीन का कोई गांव नहीं बसा है। सीमावर्ती मामले में वह कोई बयान नहीं देंगे।

वरदान साबित हो रहा देश का पहला कौशल विश्वविद्यालय : सीएम खट्टर

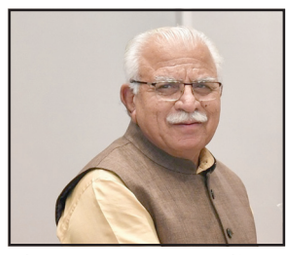

चंडीगढ़, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने गुरुवार को कहा कि देश का पहला कौशल विश्वविद्यालय मील का पत्थर साबित हो रहा है, क्योंकि कौशल समाज और राष्ट्र को आगे बढ़ाने में मदद करता है। मुख्यमंत्री श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के तीसरे स्थापना दिवस की अध्यक्षता करने पलवल में थे।

राज्य के कौशल विकास मंत्री मूलचंद शर्मा सहित अन्य लोग वहां मौजूद थे। खट्टर ने विश्वविद्यालय में चल रहे कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कौशल से संबंधित शिक्षा प्रदान करने के लक्ष्य के साथ विश्वविद्यालय की आधारशिला रखी थी। यह विश्वविद्यालय प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को आगे बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक, विश्वविद्यालय से हर साल कम से कम 12,000 कुशल युवा स्नातक होंगे। वर्तमान में, हर साल 4,000 कौशल प्रदान किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय एक उद्योग-एकीकृत 'अर्न व्हाइल लर्न' मॉडल के साथ काम कर रहा हैं, जो छात्रों को पढ़ने के साथ-साथ कमाने के अवसर प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि यह छात्रों को वास्तविक रोजगार की दुनिया से अवगत कराकर उन्हें एक्सपोजर प्रदान करेगा, ताकि उन्हें भविष्य में बेहतर रोजगार मिल सके।

कौशल विकास मंत्री शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय मारुति इंडिया लिमिटेड, रिलायंस, हेल्थियंस और आनंद समूह के साथ समझौता कर रहा है, ताकि उद्योगों के कर्मचारियों के लिए अनुकूलित कार्यक्रम विकसित करने और उत्कृष्टता केंद्र के माध्यम से कौशल उन्नयन कार्यक्रम आयोजित करने की संभावना तलाशी जा सके।

कंगना पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज हो : कांग्रेस

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना राणावत को अज्ञानी सरकारी अदाकारा करार देते हुए उन पर देशद्रोह का मुकदमा चलाए जाने की मांग की है। कांग्रेस ने कंगना से पद्मश्री समेत सभी पुरस्कार वापस लेने की मांग की है।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में कंगना को अज्ञानी सरकारी अदाकारा बताया। उन्होंने कहा कि कंगना लगातार महात्मा गांधी पर गलत टिप्पणी करती जा रही हैं यहां तक कि उन्होंने यह भी कहा कि सुभाष चंद्र बोस और महात्मा गांधी के बीच सब कुछ ठीक नहीं था।

बोस और भगत सिंह को बापू का कभी समर्थन नहीं मिला। जबकि सुभाष चंद्र बोस की पुत्री ने इस बात का स्पष्टीकरण देते हुए यह भी कहा है कि सुभाष चंद्र बोस यदि भारत में किसी का सबसे ज्यादा सम्मान करते थे तो वह महात्मा गांधी थे।

उन्होंने कहा कि लगातार महात्मा गांधी के खिलाफ कंगना बयानबाजी कर रही हैं और मोदी सरकार और बीजेपी के नेता चुप्पी साधे हुए हैं, इसके पीछे क्या वजह है?

उन्होंने कहा कि कंगना तो यह भी कह चुकी हैं कि हमें आजादी 1947 में नहीं बल्कि 2014 में मिली है। उन्होंने कहा कि कंगना को इतिहास का ज्ञान नहीं है तो उन्हें इस बारे में टिप्पणी करने से बचना चाहिए।

देश के महापुरुषों के बारे में इतना कुछ कहने और गलत बयानबाजी करने के बाद उन पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश के सर्वोच्च नागरिक को पद्मश्री पुरस्कार दिया जाता है और जितने भी सम्मान उन्हें दिए गए हैं, वह देश के अच्छे नागरिकों, देश भक्तों के लिए हैं। ऐसे में उनसे यह सभी पुरस्कार और सम्मान वापस ले लिए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि कंगना को यह सब बयान देने के लिए कौन कह रहा है यह किसी के समझ से परे है, लेकिन उन्हें अब भी अपने बयानों पर माफी मांग लेनी चाहिए।

गौरव वल्लभ ने कहा कि यह कोई कंगना की फिल्म नहीं है जो लगातार देश के महापुरुषों पर वो इस तरीके की बयानबाजी कर रही हैं। यहां आजादी लकड़ी के घोड़े पर बैठकर नहीं मिली थी जैसा कि उन्होंने अपनी फिल्म में किया। महात्मा गांधी ने अहिंसा को अपने जीवन में उतारा जिस, हिंसा की बात कंगना राणावत करती हैं, उसका उन्हें ठीक से ज्ञान जरूर ले लेना चाहिए।

गौरतलब है कि कंगना ने दावा किया था कि नेताजी और भगत सिंह को महात्मा गांधी से समर्थन नहीं मिला। साथ ही कंगना ने बापू के 'अहिंसा के मंत्र' का भी मजाक बनाते हुए कहा था कि एक और गाल आगे करने से आपको 'भीख' मिलती है आजादी नहीं। 'भीख' वाले अपने कमेंट के जरिये कंगना ने अपने पिछले सप्ताह के बयान की याद दिलाई जब उन्होंने कहा था कि भारत को 2014 में वास्तविक आजादी मिली। जब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीजेपी सत्ता में आई और 1947 में स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा दशकों के लंबे संघर्ष के बाद जो आजादी मिली वह भीख थी।

कोर्ट में के साथ थानेदार ने की मारपीट,जज पर पिस्टल भी तानी

झंझारपुर, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। मधुबनी में कोर्ट के अंदर ही एडीजे पर एक थानेदार ने हमला बोल दिया। थानेदार ने जज के साथ मारपीट की और उन पर पिस्टल भी तान दी। इस दौरान थानेदार के साथ एक दरोगा भी मौजूद था। थानेदार की कारस्तानी से कोर्ट परिसर में खलबली मच गई। कोर्ट परिसर में मौजूद अधिवक्ताओं ने थानेदार के हाथ से पिस्टल छीनी और उसे पकड़कर जमकर धुना। आपाधापी और मारपीट में पुलिस के दोनों अधिकारी और जज के अलावा एक कर्मचारी और कुछ अधिवक्ता घायल हुए हैं।

जानकारी के मुताबिक एडीजे प्रथम अविनाश कुमार ने घोघरडीहा थानाध्यक्ष गोपाल कृष्ण को उसी थाना क्षेत्र की एक महिला आशा देवी द्वारा दिए गए एक आवेदन के बारे में पूछताछ के लिए बुलाया था। बुधवार को ही पुलिस अधिकारी को बुलाया गया था जबकि वह गुरुवार को एएसआई अभिमन्यु कुमार शर्मा के साथ पहुंचे। पूछताछ के दौरान ही कहासुनी हो गयी। इस पर थानेदार ने जज के साथ हाथापाई शुरू कर दी। थानेदार ने पिस्टल भी तान दी।

एडीजे के साथ हाथापाई से अचानक अफरातफरी मच गई। एडीजे के चैंबर से हल्ला मचने पर कोर्ट परिसर में मौजूद अधिवक्ता और कर्मचारी दौड़कर चैंबर में पहुंचे और थानाध्यक्ष के हाथ से उसका पिस्टल छीनकर स्थिति को काबू में किया। थानेदार को काबू में करने के साथ ही भीड़ ने दोनों पुलिस अधिकारियों की पिटाई की। घटना की सूचना मिलते ही सारे अधिवक्ता न्यायालय कक्ष के समक्ष जमा हो गए और दोनों पुलिस अधिकारियों को अपने कब्जे में लेकर चैंबर में ही धकेल कर बंद कर दिया। अधिवक्ताओं का कहना है यह दोनों पुलिस अधिकारी को कोर्ट से ही रिमांड कर भेजा जाए और प्राथमिकी दर्ज की जाए।

घटना की जानकारी मिलते ही एसडीएम और डीएसपी मौके पर पहुंचे। दोनों अधिकारी एडीजे के साथ बैठक कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि जज के आवदेन पर दोनों पुलिस अधिकारी पर स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।

टाटा के खिलाफ सत्ताधारी झामुमो का जोरदार आंदोलन

रांची, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। देश में सबसे पहला उद्योग स्थापित करने वाली टाटा कंपनी को इन दिनों झारखंड में सत्ताधारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा का विरोध झेलना पड़ रहा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने राज्य में स्थित कंपनी के विभिन्न कारखानों और फैक्ट्रियों में 75 फीसदी स्थानीय लोगों की नियुक्ति सहित कई मांगें रखी हैं।

टाटा मोटर्स और टाटा कमिंस कंपनी का मुख्यालय पुणे शिफ्ट करने के विरोध में बुधवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के पांच विधायकों और स्थानीय नेताओं की अगुवाई में हजारों लोगों ने जमशेदपुर से लेकर चाईबासा तक कंपनी के विभिन्न कार्यालयों और खदानों में 10 से 12 घंटे तक प्रदर्शन किया। इस वजह से कंपनी की लौह अयस्क खदानों में उत्पादन और डिस्पैच प्रभावित हुआ। झामुमो ने चेताया है कि एक दिन का यह आंदोलन तो सिर्फ झांकी है। अगर कंपनी ने मांगें नहीं मानीं तो आगे उग्र आंदोलन होगा। हालांकि टाटा कमिंस कंपनी ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा है कि कंपनी सिर्फ अपने रजिस्टर्ड ऑफिस को स्थानांतरित कर रही है। इससे झारखंड या जमशेदपुर में कंपनी के कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। हम कंपनी में सभी श्रम कानूनों और राज्य सरकार के अन्य नियमों का पालन करते हैं। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अपने आंदोलन को 'हुड़का जाम' का नाम दिया है। पार्टी का तात्कालिक विरोध टाटा कमिंस और टाटा मोटर का रजिस्टर्ड ऑफिस पुणे शिफ्ट करने को लेकर है। उसका कहना है कि जमीनें और खदानें यहां की ली गयीं और अब कार्यालयों को दूसरे राज्यों में शिफ्ट करने का फैसला जनविरोधी है। इससे हजारों स्थानीय लोगों का रोजगार छिन जायेगा।

जमशेदपुर में झारखंड मुक्ति मोर्चा के विधायकों के नेतृत्व में हजारों लोगों ने जहां टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और टाटा कमिंस के मेन गेट को 12 घंटे तक जाम रखा, वहीं चाईबासा जिले में कंपनी के नोवामुंडी और घाटकुरी स्थित टाटा लांग प्रोडक्ट कंपनी की विजय-2 खदान के मुख्य गेट को बुधवार सुबह 6 बजे से देर रात तक जाम किये रखा। झामुमो के सैकड़ों कार्यकर्ता कंपनियों के मुख्य गेट और रेलवे साइडिंग के बाहर झंडा-बैनर लेकर जमे रहे। इससे आयरन ओर की लोडिंग और अनलोडिंग का काम बुधवार को पूरी तरह प्रभावित रही। बताया जा रहा है कि इस बंदी से कंपनी की खदान में लगभग 10-15 हजार टन लौह अयस्क का उत्पादन व लगभग 4 हजार टन डिस्पैच प्रभावित हुआ।

विधायक सुखराम उरांव ने कहा कि झारखंड सरकार ने यहां के स्थानीय लोगों के हित में यह निर्णय लिया है कि राज्य में स्थित सभी निजी कंपनियों को अपने-अपने प्रतिष्ठानों में 75 फीसदी स्थानीय लोगों को बहाल करना होगा। इस बाध्यता से बचने के लिए टाटा मोटर्स और टाटा कमिंस का मुख्यालय पुणे (महाराष्ट्र) शिफ्ट किया जा रहा है।उधर जमशेदपुर में हुए प्रदर्शन की अगुवाई विधायक रामदास सोरेन, संजीव सरदार, मंगल कालिंदी, समीर मोहंती और सविता महतो कर रहे थे। पार्टी महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय के मुताबिक राज्य सरकार ने भी निजी क्षेत्र में 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को नियोजित करने की नीति बनाई है। इसका पालन निजी क्षेत्र की कंपनियों को करना चाहिए। जो कंपनियां यहां कार्यरत हैं, उन्हें स्थानीय को रोजगार में प्राथमिकता देना चाहिए। कंपनियां राज्य के संसाधनों का उपयोग करती हैं और यहां से मुख्यालय बाहर ले जाना चाहती है, इसका प्रतिकार किया जाएगा। बता दें कि बीते दिनों केंद्रीय कोयला मंत्री प्रहलाद जोशी के साथ मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस संबंध में स्पष्ट कहा था कि राज्य में सीसीएल, बीसीसीएल और इसीएल द्वारा कोयला उत्पादन के लिए जमीन का अधिग्रहण किया जाता है। सरकार ने निर्णय किया है कि सभी कोल माइंस में 75 प्रतिशत नौकरी स्थानीय लोगों को दिया जाए।

इधर टाटा कमिंस की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि हम जमशेदपुर में अपने कारोबार के संचालन के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। साथ ही हम पहले की तरह ही झारखंड राज्य और जमशेदपुर क्षेत्र के विकास एवं समृद्धि में अपना योगदान देना जारी रखेंगे। हम अपने ग्राहकों, भागीदारों, निकटवर्ती समुदायों तथा लाभार्थियों की सफलता को और सशक्त करने के प्रति संकल्प बद्ध हैं और हम इस दिशा में लगातार काम करना जारी रखेंगे। बयान में कहा गया है कि हम 1993 से जमशेदपुर में अपने कारोबार का संचालन कर रहे हैं। पिछले 28 सालों के दौरान हमने हमेशा इनोवेशन और विश्वसनीयता के अपने ब्रांड के वादे पर खरा उतरने की कोशिश की है।

हैदरपोरा में कुछ भी गलत हुआ है तो सुधार के लिए तैयार: डीजीपी

श्रीनगर, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को हैदरपोरा मुठभेड़ में चार लोगों के मारे जाने की मजिस्ट्रियल जांच का आदेश दिया है। इस आदेश के कुछ ही घंटों के भीतर इस मामले में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) दिलबाग सिंह ने कहा, 'अगर कुछ भी गलत हुआ है तो पुलिस उसमें सुधार के लिए तैयार है।'

इससे पहले दिन में, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार की हैदरपोरा मुठभेड़ की समयबद्ध मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया, जिसमें पुलिस के अनुसार, एक विदेशी आतंकवादी, उसका स्थानीय सहयोगी, अल्ताफ अहमद (उस इमारत का मालिक, जहां मुठभेड़ हुई थी) और डॉ. मुदासिर (इमारत में एक किराए के फ्लोर पर कॉल सेंटर चलाता था और कथित तौर पर एक आतंकवादी सहयोगी था) मारे गए।

इमारत के मालिक अल्ताफ अहमद और डॉ. मुदासिर के परिवारों ने उनके शव वापस करने की मांग की है, ताकि उनका अंतिम संस्कार किया जा सके।

परिवारों ने अधिकारियों को यह साबित करने की चुनौती दी है कि दोनों नागरिकों का आतंकवाद से कोई लेना-देना था।

हैदरपोरा मुठभेड़ में मारे गए सभी चार लोगों के शवों को वापस करने की उनके परिवारों की मांग को ठुकराने के बाद अधिकारियों ने पार्थिव शरीर को उत्तरी कश्मीर हंदवाड़ा तहसील में दफना दिया है।

डीजीपी दिलबाग सिंह ने संवाददाताओं से कहा, 'हम परिवारों की मांगों पर गौर करेंगे। अगर कुछ भी गलत हुआ है तो हम सुधार के लिए तैयार हैं। पुलिस जांच में यह भी पता चलेगा कि क्या गलत हुआ है।'

उन्होंने कहा, 'हम पता लगाएंगे कि हैदरपोरा मुठभेड़ में क्या हुआ था। हम लोगों की सुरक्षा के लिए हैं और जांच से पीछे नहीं हटेंगे।'

तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों (फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती), पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद लोन और माकपा नेता यूसुफ तारिगामी सहित मुख्यधारा के सभी राजनेताओं ने घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

अब्दुल गनी वकील, खुर्शीद आलम और अन्य लोगों सहित पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने हैदरपोरा घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने 'हिन्दुत्व' की बहस से खुद को किया दूर

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने 'हिन्दूवाद बनाम हिन्दुत्व' बहस से खुद को दूर कर लिया है, और कहा है कि पूरे मामले पर पूर्व विदेश मंत्री सलमान खर्शीद का विचार व्यक्तिगत था।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले, उन्होंने संवेदनशील बहस से खुद को दूर करने की कोशिश की है।

कामतानाथ मंदिर की 'परिक्रमा' करने और पूजा-अर्चना करने के बाद चित्रकूट में बोलते हुए, उन्होंने कहा, 'कोई भी इसे मेरे लिए परिभाषित नहीं कर सकता, यह मेरा विश्वास है, यह उनकी निजी राय है।'

हिन्दुत्व की बहस के मुद्दे पर कांग्रेस को पार्टी के भीतर कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को मनीष तिवारी ने कहा था कि कांग्रेस को इस तरह की बहस में नहीं पड़ना चाहिए।

तिवारी ने कहा कि कांग्रेस को दार्शनिक रूप से इस बहस में शामिल नहीं होना चाहिए जो इसकी मूल विचारधारा से मीलों दूर है।

तिवारी ने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी को अपनी मूल विचारधारा पर टिके रहना चाहिए और इससे विचलित नहीं होना चाहिए क्योंकि अतीत में पार्टी के नेताओं ने भाजपा का मुकाबला करने के लिए 'नरम-हिन्दुत्व' की लाइन पर चलने की कोशिश की थी।

उन्होंने कहा कि उदारवाद और धर्मनिरपेक्षता में विश्वास रखने वालों को पार्टी में होना चाहिए, नहीं तो अगर आप धर्म को राजनीति का हिस्सा बनाना चाहते हैं तो आपको दक्षिणपंथी पार्टियों में होना चाहिए न कि कांग्रेस में, जो धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करती है।

प्रियंका ने राज्य चुनावों से पहले नुकसान को नियंत्रित करने की कोशिश की और विवाद से खुद को दूर कर लिया क्योंकि वह खुद उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार का नेतृत्व कर रही हैं।

वह अब तक राज्य के सभी महत्वपूर्ण मंदिरों के दर्शन कर चुकी हैं। बुधवार को उन्होंने चित्रकूट के कामतानाथ के दर्शन किए और रामचट में महिला संवाद भी किया।

सलमान खुर्शीद ने अपनी नई किताब 'सनराइज ओवर अयोध्या: नेशनहुड इन अवर टाइम्स' में 'द केसर स्काई' के एक अंश में लिखा है कि सनातन धर्म और संतों के लिए जाने जाने वाले शास्त्रीय हिन्दुत्व को एक मजबूत संस्करण द्वारा एक तरफ धकेला जा रहा है। सभी मानक हाल के वर्षों के आईएसआईएस और बोको हराम जैसे समूहों के जिहादी इस्लाम के समान राजनीतिक संस्करण लगते हैं।

राहुल गांधी ने पिछले हफ्ते एक पार्टी समारोह में बोलते हुए कहा कि जैसा कि हम जानते हैं कि हिंदू धर्म, और हिन्दुत्व में क्या अंतर है? क्या वे एक ही चीज हैं? अगर वे एक ही चीज हैं, तो उनका एक ही विवरण क्यों नहीं है ? उनके अलग-अलग नाम क्यों हैं? आप

हिंदू धर्म शब्द का उपयोग क्यों करते हैं, हिन्दुत्व का उपयोग क्यों नहीं करते, अगर वे एक ही चीज हैं? वे स्पष्ट रूप से अलग चीजें हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने सलमान खुशीद से असहमति जताई और नुकसान को नियंत्रित करने की कोशिश की। आजाद ने एक बयान में कहा कि हम हिन्दुत्व की समग्र संस्कृति से अलग राजनीतिक विचारधारा के रूप में सहमत नहीं हैं, लेकिन हिन्दुत्व की आईएसआईएस और जेहादी इस्लामिस्ट से तुलना करना तथ्यात्मक रूप से गलत और एक अतिशयोक्ति है।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR PADMA MORNING

Draw No:51 DrawDate on:18/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 49A 19992

Cons. Prize Rs.1000/- 19992 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

12890 35923 47648 52742 55962 58412 80694 94192 98427 99403

3rd Prize ₹450/-

0460 1546 2718 2978 3720 5055 5384 5579 8451 8603

4th Prize ₹250/-

4120 4364 4768 5043 5378 6480 6878 8173 8423 8743

5th Prize ₹120/-

0018 0229 0445 0514 0696 0713 0819 0834 0953 0958
0963 1138 1168 1305 1316 1333 1655 1831 1895 1955
2062 2196 2261 2279 2383 2401 2575 2635 2704 2785
3002 3079 3118 4065 4119 4231 4263 4267 4301 4332
4359 4361 4369 4454 4486 4529 4617 4688 4795 4855
4896 5094 5197 5268 5281 5304 5311 5471 5505 5595
5655 5688 6558 6663 6765 6770 6807 6818 6835 6875
6886 6993 7015 7123 7327 7427 7433 7652 8054 8108
8113 8125 8184 8231 8330 8648 8658 8711 8750 8931
9140 9228 9322 9340 9358 9418 9475 9644 9731 9930

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR FALCON EVENING

Draw No:151 DrawDate on:18/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 99K 18519

Cons. Prize Rs.1000/- 18519 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

04945 09368 11888 27464 66418 78798 82053 84846 84925 91553

3rd Prize ₹450/-

1494 1832 3151 3830 3906 5075 5769 6696 6914 7510

4th Prize ₹250/-

0039 1125 2029 2037 2944 4278 4381 5191 9167 9857

5th Prize ₹120/-

0086 0107 0162 0265 0675 0781 0857 0950 1033 1166
1177 1295 1368 1537 1841 1882 1945 2379 2380 2556
2669 3250 3327 3525 3623 3668 3698 3858 3935 3941
3952 4019 4105 4184 4223 4374 4462 4529 4546 4599
4606 4639 4643 4665 4821 4938 4943 4949 5089 5132
5168 5203 5303 5392 5446 5579 5636 5734 5869 6077
6081 6210 6258 6331 6633 6747 6802 6949 6973 7044
7117 7175 7210 7286 7361 7447 7503 7688 7840 7857
7987 8018 8064 8091 8112 8115 8586 8738 8879 8888
9072 9173 9237 9238 9352 9468 9565 9796 9837 9907

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR VENUS THURSDAY

Draw No:51 DrawDate on:18/11/21

1st Prize ₹1 Crore/- 96K 05653

Cons. Prize Rs.1000/- 05653 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

07987 16447 18245 65463 71708 72084 75272 76165 76740 83577

3rd Prize ₹450/-

0151 0159 2719 3405 5926 6819 7063 7175 7708 9845

4th Prize ₹250/-

1270 2358 4104 6227 6263 6590 7916 8603 8690 9482

5th Prize ₹120/-

0198 0564 0594 0619 0708 0896 0898 0912 0952 1041
1113 1413 1417 1583 1763 1765 2015 2030 2104 2138
2360 2440 2458 2561 2591 2673 2726 2741 2960 2990
3132 3133 3231 3383 3492 3558 3586 3672 3788 3842
4041 4230 4244 4278 4462 4639 4642 4933 5008 5252
5264 5367 5406 5466 5786 5801 5917 5920 5951 5979
6051 6109 6286 6301 6451 6880 6922 6989 7231 7286
7477 7512 7581 7590 7901 7925 7994 8023 8035 8078
8131 8369 8375 8419 8502 8601 8728 8774 8844 8959
8970 9056 9192 9262 9295 9430 9475 9636 9677 9830

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

संपादकीय पृष्ठ

प्रदूषण के खिलाफ

जब प्रदूषण का संकट बहुत भारी पड़ने लगा है, तब सरकारों की चिंता और सक्रियता कुछ बढ़ी है। निस्संदेह, सरकारों की सक्रियता के पीछे सर्वोच्च न्यायालय की फटकार की सर्वाधिक भूमिका है। बुधवार को हुई सुनवाई में भी न्यायालय ने सरकारों पर तीखा तंज कसा है। लगे हाथ टीवी मीडिया को भी आडे. हाथ लिया है। न्यायालय ने जो कहा है, वह वास्तव में शासन-प्रशासन के ऐसे लोगों की आलोचना है, जो पंच सितारा सुविधाओं में बैठकर पराली जलाने पर बयान देते रहते हैं। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमन्ना के नेतृत्व में न्यायालय की बेंच ने उन लोगों भी आड़े हाथ लिया है, जो प्रदूषण दूर करने के लिए कोई कदम नहीं उठाते हैं, लेकिन किसानों को दोष देते हैं।

जो बहस हुई है, उससे न्यायालय कतई खुश नहीं है, इसलिए अब अगले बुधवार को फिर सुनवाई होगी। कहना न होगा कि न्यायालय की ओर से सरकारों को पर्याप्त समय दिया जा रहा है कि वे प्रदूषण कम करने के लिए कदम उठाएं और लोगों को राहत दें। न्यायालय ने कहा है, नौकरशाही पूरी तरह से शिथिल हो गई है। पानी की बाल्टी या फिर प्रिरंकलर्स के इस्तेमाल तक के लिए क्या हमें ही कहना है? ज्यादा ईंधन खपत करने वाले वाहनों पर कौन रोक लगाएगा? जहां तक सरकारों की दलील है, वे वाहनों पर रोक लगाने या वर्क फ्रॉम होम लागू करने के प्रति ज्यादा आश्वस्त नहीं हैं। सरकारों की दलीलों से एक व्यंजना यह भी आ रही है कि हर सरकार को दूसरी सरकार से उम्मीद या अपेक्षा है। साथ ही, इन सुनवाइयों में इतना तो तय हो ही गया है कि किसी भी सरकार के पास प्रदूषण रोकने की कोई ठोस योजना नहीं है। अदालत का यह कहना भी काबिले-गौर है कि कुछ जिम्मेदारियां लोगों और संस्थाओं को भी उठानी चाहिए। हर चीज अदालतों के फैसलों से ही नहीं हो सकती। आखिर दिल्ली में दिवाली के बाद भी 10 दिनों तक पटाखे चलाए जाने की वजह क्या थी? क्या किसी के खिलाफ कार्रवाई की गई है?

मोटे तौर पर दिल्ली सरकार ने कहा है कि वह सप्ताहांत में लॉकडाउन लगाने को तैयार है। दिल्ली और आसपास के सभी शहरों में स्कूल और कॉलेज अगले आदेश तक बंद रहेंगे। इसके अलावा, एनसीआर के सभी राज्यों, यानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में 21 नवंबर तक सभी निर्माण संबंधी गतिविधियों पर रोक लगाई जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के 300 किलोमीटर के दायरे में चल रहे कोयला आधारित विद्युत संयंत्रों में से सिर्फ पांच चलेंगे। आवश्यक वस्तुएं लाने वाले ट्रकों को ही शहर में आने दिया जाएगा। यह फैसला भी स्वागतयोग्य है कि अगर कोई खुले में निर्माण सामग्री का ढेर लगाते पाया गया, तो उस पर भारी जुर्माना लगेगा। इसके अलावा सड़कों पर कचरा फेंकने पर भी कड़ा जुर्माना लगेगा। हालांकि, ये ऐसे उपाय हैं, जिन पर पूरी कड़ाई से बारहों महीने अमल किया जा सकता है और करना ही चाहिए। शहरों में सफाई की मशीनें बढ़ाने जैसे उपायों के लिए प्रदूषण के दौर का भला क्यों इंतजार रहना चाहिए? सरकार बड़ी संख्या में सीएनजी बसें सड़कों पर उतारने का फैसला ले रही है, क्या यह काम पहले नहीं हो सकता था? प्रदूषण पर लगाम के लिए अनेक उपाय हैं, जिन पर हमेशा के लिए अमल करना चाहिए। जहां छोटे उपाय तत्काल बढ़ाने चाहिए, वहीं बड़े उपायों की तैयारी में लग जाना चाहिए।

एक मुखर अल्पसंख्यक वर्ग का बड़ा छलाव

डॉ. केवी सुब्रमण्यम

याद कीजिए वो वक्त, जब आपको रेलगाड़ी के अनारक्षित डिब्बे में सफर करना पड़ता था। अगर आपको याद हो, तो अनारक्षित डिब्बा ट्रेन खुलने के स्टेशन पर ही पूरी तरह से भर जाता था। अन्य लाखों लोग आरक्षण न होने के बावजूद अपने गंतव्य तक की यात्रा करना चाहते थे। जो लोग ट्रेन खुलने के स्टेशन पर ट्रेन के अनारक्षित डिब्बे में प्रवेश करने में सफल रहते थे, उनका प्रयास होता था कि कोई और अपने गंतव्य तक पहुंचने के इस 'विशेषाधिकार' का आनंद न ले पाए। अनारक्षित डिब्बे में यात्रा करने वाले निश्चित रूप से आम लोग हैं, जो उन्हें 'विशेषाधिकार प्राप्त' कहे जाने पर सवाल उठा सकते हैं। वे इस बात पर जोर देंगे कि उनकी हालत आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने वालों से खराब है। हालांकि, आरक्षित डिब्बे में यात्रा करने वालों से तुलना करना वास्तविक मुद्दे को थोड़ा उलझाने जैसा है। सीधे तौर पर तुलना उन लोगों में होनी चाहिए जिन्हें आरक्षण नहीं मिला, यानी बहुसंख्यक, जो यात्रा करना चाहते हैं, लेकिन कर नहीं सकते बनाम अल्पसंख्यक, जिन्हें गंतव्य तक पहुंचने को लेकर भाग्यशाली कहा जा सकता है।

हमारे जैसे लोकतंत्र में सुधारों की राजनीतिक अर्थव्यवस्था को समझने के लिए यह उपमा महत्वपूर्ण है। कोई भी संरचनात्मक सुधार हितधारकों के दो समूहों को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा करता है-मुखर अल्पसंख्यक, जो सुधार का विरोध करते हैं बनाम एक मौन बहुसंख्यक, जिन्हें सुधार से लाभ मिलेगा।

यथास्थिति से लाभान्वित होने की वजह से, मुखर अल्पसंख्यक अधिक समृद्ध हैं और इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि सत्ता के गलियारों में अपनी आवाज कैसे पहुंचाई जाए। इसके विपरीत, मौन बहुसंख्यक, जो यथास्थिति के कारण अभाव में अपना जीवन यापन करता है, अपनी आवाज पहुँचाने में असमर्थ रहता है। मुखर अल्पसंख्यक के विपरीत, मौन बहुसंख्यक अपनी आवाज दर्ज कराने के लिए अपनी एक दिन की आय छोड़ने की स्थिति में भी नहीं होता है। मुखर अल्पसंख्यक सुधार के परिणामों को स्पष्ट तौर पर समझता है। इसके विपरीत, मौन बहुसंख्यक तब तक इन लाभों के बारे में अनिश्चित रहता है, जब तक ऐसे लाभ वास्तव में उनके सामने प्रकट नहीं हो जाते। सूचना और आवाज उठाने की यह विषमता मुखर अल्पसंख्यक के पक्ष में बाधाओं को कम करती है और इस प्रकार, लोकलुभावन तरीकों को बढ़ावा देती है, जबकि सुधारों में इससे गतिरोध पैदा हो सकता है। इसलिए हम नागरिकों को सुधार की इस राजनीतिक अर्थव्यवस्था को समझने का प्रयास करना चाहिए।

इस राजनीतिक अर्थव्यवस्था में, 1991 में किए गए उत्पाद आधारित बाजार सुधार की तुलना में, अब प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार द्वारा किए गए कारक आधारित बाजार सुधार अधिक कठिन हैं। उत्पाद आधारित बाजार सुधार में घरेलू पूंजीपतियों और विदेशी पूंजीपतियों के बीच प्रतिस्पर्धा होती है। पूंजीवादी, लोकतंत्र में शायद ही कभी भावनात्मक रूप में प्रभावित होते हैं, जबकि सामुदायिक नेताओं के लिए इस तरह के सुधार के खिलाफ 'आम आदमी' की बात को रखना मुश्किल हो जाता है। इसके विपरीत, पंजाब के अमीर किसान के लिए 'आम आदमी' से सम्बन्धित बातों को आसानी से सामने रखा जा सकता है, हालांकि ये किसान शेष 28 राज्यों के करोड़ों किसानों की तुलना में काफी समृद्ध हैं।

रेलगाड़ी के अनारक्षित डिब्बे की उपमा का उपयोग करते हुए अगर कहा जाए, तो पंजाब का अमीर किसान एक ऐसे अधिक विशेषाधिकार प्राप्त यात्री का प्रतिनिधित्व करता है जोकि यात्रा की शुरुआत वाले स्टेशन से ही अनारक्षित डिब्बे में चढ़ गया है और लाखों अन्य लोगों को अपने बाद डिब्बे के भीतर आने से रोककर उन्हें अपने गंतव्य तक पहुंचने से वंचित करता है। इस प्रकार, पंजाब का अमीर किसान 28 अन्य राज्यों के अपने कम विशेषाधिकार प्राप्त भाइयों को मिलने वाले संभावित लाभों की राह में अवरोध पैदा करता है। इस तरह, कृषि विधेयकों के आम आदमी के खिलाफ होने से संबंधित बयानबाजी निहायत ही बेतुकी है।

निजीकरण और परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के खिलाफ भी इसी किस्म की बयानबाजी जोकि हकीकत से कोसों दूर है घृणा फैलाने की हदतक बार-बार दोहरायी जाती है। संगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों को असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की तुलना में बेहतर वेतन, काम के घंटे और कामकाज की परिस्थिति का लाभ मिलता है। इस प्रकार, संगठित क्षेत्र के श्रमिक अधिक विशेषाधिकार प्राप्त श्रमिकों की श्रेणी में आते हैं। जैसा कि 2018-19 के आर्थिक सर्वेक्षण में दिखाया गया है, अत्यधिक कड़े श्रम कानूनों ने सिर्फ विशेषाधिकार प्राप्त श्रमिकों के हितों का ही समर्थन किया है जिसकी वजह से रोजगार सृजन के मामले में असंतुलन पैदा हुआ है। इस तरह, इसने हमारे युवाओं से संगठित क्षेत्र में नौकरी पाने के विशेषाधिकार को छीना है। खानदानी चांदी बेचने की घिसी-पिटी हल्लेबाजी बौद्धिक रूप से खोखली है। एक ऐसी अर्थव्यवस्था में, जहां सकल घरेलू उत्पाद में निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा योगदान है, सिर्फ सार्वजनिक क्षेत्र को ही खानदान के तौर पर देखना खानदान के लिए सबसे अधिक कमाने वाले व्यक्ति को अनाथ मानने जैसा है। इसके अलावा, जैसा कि आर्थिक सर्वेक्षण 2019-20 में दिखाया गया है, सार्वजनिक क्षेत्र की अधिकांश परिसंपत्तियां मूल्यांकन करने पर मूल्य के मामले में और चाहे जो कुछ भी हों, पर चांदी जैसी कतई प्रतीत नहीं होती हैं। इस प्रकार, इन दोनों शब्दों -खानदान या चांदी - में से किसी का भी प्रयोग उपयुक्त नहीं है। परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए खानदानी चांदी की बिक्री जैसे मुहावरे का इस्तेमाल करना समझ की कमी को दर्शाता है क्योंकि किसी अर्थव्यवस्था में परिसंपत्तियों के मुद्रीकरण की प्रक्रिया में सार्वजनिक क्षेत्र की परिसंपत्तियों को उत्पादक उपयोग के लिए पट्टे पर देना- बेचना नहीं शामिल होता है।

एक नागरिक के तौर पर हम सभी को सुधारों के विरोधियों द्वारा फैलाए जाने वाले धोखे को समझना चाहिए क्योंकि वे अपना राजनीतिक आधार उन विशेषाधिकार प्राप्त मुखर लोगों में तलाशते हैं जिनकी संख्या कम हैं और जिन्हें यथास्थिति से लाभ मिलता है। वे जिस 'आम आदमी' का पक्ष लेते हैं, वह दरअसल विशेषाधिकारों से लैस है और सत्ता के गलियारों में उसकी आवाज पर्याप्त तरीके से पहुंचती है। इसके उलट, सुधारों के समर्थक उन करोड़ों वंचितों को आकर्षित करते हैं जो बहुमत में होते हुए भी मौन हैं असली आम आदमी। एक नागरिक के तौर पर हम सभी को इस छल को पहचानना चाहिए तथा सुधार विरोधी एवं विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग के हितों के मसीहा और वास्तव में सुधारों के समर्थक एवं वंचितों के लिए लड़ने वाले लोगों के बीच के अंतर को समझना चाहिए।

अंत में, एक नागरिक के तौर पर हम सभी को यह भी समझना चाहिए कि सुधारों के समर्थक जोखिम लेने के अपने दृढ़ विश्वास से प्रेरित होते हैं। चूंकि सुधारों के समर्थक उन वंचितों के हितों का पोषण करते हैं जिनकी आवाज सुधारों की घोषणा के समय नहीं सुनाई देती, वे एक राजनीतिक जोखिम उठाते हैं। इसलिए हमारे जैसे लोकतंत्र में हमें सुधारों के समर्थकों को उद्यमियों के बराबर महत्व देना चाहिए। तभी भारतीय अर्थव्यवस्था सभी को लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से प्रगति कर सकती है।

विषाक्त माहौल का सबब

अवधेश कुमार

सलमान खुर्शीद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। केंद्र में कैबिनेट स्तर के कई मंत्रालय उन्होंने संभाले हैं।

ऐसे व्यक्ति से आशा की जाती है कि एक-एक शब्द लिखने के पहले सोचेगा कि इसकी क्या प्रतिक्रिया हो सकती है। उनकी पुस्तक सनराइज ओवर अयोध्या नेशनहुड इन अवर टाइम्स के हिंदुत्व संबंधी विवादित संदर्भ पर जब पत्रकारों ने प्रश्न किया तो उनका खीझ भरा उत्तर था कि ऐसे बेहूदा सवाल क्यों पूछते हो? कहा कि 300 पृष्ठ की किताब में मैंने हिंदू मुस्लिम एकता की बात की है, उस पर चर्चा क्यों नहीं हो रही है?

आइए, पहले उन पंक्तियों को देखें। छठे अध्याय में 113वें पृष्ठ पर वे लिखते हैं, भारत के साधु संत सदियों से जिस सनातन धर्म और मूल हिंदुत्व की बात करते आए हैं, आज उसे कट्टर हिंदुत्व के जरिए दरकिनार किया जा रहा है। आज हिंदुत्व का ऐसा राजनीतिक संस्करण खड़ा किया जा रहा है, जो इस्लामी जिहादी संगठनों आईएसआईएस और बोको हरम जैसा है। मूल बात यह नहीं है कि हिंदुत्व के जिस राजनीतिक संस्करण की वो बात कर रहे है, वह सही है या गलत है। सलमान खुर्शीद या किसी भी नेता को हिंदुत्व से असहमति जताने का पूरा अधिकार है। लेकिन क्या उसकी भाषा ऐसी ही होनी चाहिए? आखिर, गुलाम नबी आजाद को सामने आकर अपने हस्ताक्षर से यह बयान देना ही पड़ा कि हिंदुत्व से हम असहमत हो सकते हैं, लेकिन उसकी तुलना आईएसआईएस और बोको हरम से करना तथ्यात्मक रूप से गलत एवं अतिशयोक्तिपूर्ण है।

आईएसआईएस, बोको हरम जैसे संगठनों ने जिस क्रूरता से लोगों की हत्याएं की हैं, आत्मघाती विस्फोट किए हैं, संगठित रूप से जिहाद के नाम पर युद्ध किया है, वैसा तो पहले सुना तक नहीं गया था। सलमान खुर्शीद भी जानते हैं कि इन आतंकवादी संगठनों ने अपनी मजहबी हिंसक क्रूरता से सबसे ज्यादा कोहराम इस्लामी देशों में ही मचाया हुआ है। सलमान खुर्शीद जानते हैं कि वह इस तरह इस्लाम की आलोचना करने वाली पुस्तक उन देशों में नहीं लिख सकते जहां ये संगठन ज्यादा सक्रिय हैं। इससे पता चलता है कि सलमान खुर्शीद और उनकी तरह के लोगों के अंदर भाजपा, संघ आदि की वर्तमान राजनीति से उत्पन्न घृणा किस चरम अवस्था में पहुंच चुकी है। घृणा और गुस्से से कुंठा पैदा होती है। तभी तो इतने अनुभवी होने के बाद पुस्तक लिखने में ऐसे चरमपंथी विचार अभिव्यक्त हो जाते हैं।

वास्तव में सलमान खुर्शीद ने इस पुस्तक में अधिवक्ता और नेता के रूप में चालाकी प्रदर्शित की है। अयोध्या फैसले की प्रशंसा भी करते हैं जिसमें मंदिर के साथ-साथ दूर मस्जिद बनाने की बात भी है। हिंदुत्व की व्यापकता की भी बात करते हैं किंतु चालाकी से दूसरी ओर स्वयं को कानूनी पंजे से बचाने का ध्यान रखते हुए आलोचना भी कर देते हैं। उनकी मानसिकता का एक उदाहरण और देखिए। वे यह भय पैदा करते हैं कि सरकारी अधिकारियों का झुकाव एक धर्म की तरफ हो गया है। कैसी निंदनीय और खतरनाक मीमांसा है? इसका मतलब वे दूसरी भाषा में यही कह रहे हैं कि भाजपा सरकारों के कारण सरकारी अधिकारी भी अतिवादी सांप्रदायिक विचारों से ग्रस्त होकर काम कर रहे हैं तथा देश में अल्पसंख्यक समुदाय या उनके मजहब के साथ न्याय नहीं हो रहा। इस तरह अधिकारियों कर्मचारियों तक की ईमानदारी और न्याय प्रिय तक उन्होंने कटघरे में खड़ा कर दिया। उनको इस बात पर भी गुस्सा है कि कांग्रेस के अंदर भी कुछ लोग हिंदुत्व के समर्थक हो गए हैं। वो कहते हैं कि हमारी पार्टी में भी हिंदुत्व की चर्चा आ जाती है। अनेक नेताओं को इसकी चिंता है कि हमारी छवि अल्पसंख्यक समर्थक पार्टी की हो गई है। वे बिना नाम लिए हुए राहुल गांधी को जनेऊधारी ब्राह्मण होने का प्रचार करने वाले नेताओं की भी निंदा करते हैं। उनको इस बात पर भी आपत्ति है कि अयोध्या फैसला आने के बाद उनकी पार्टी के कुछ नेताओं ने कह दिया कि वहां भव्य मंदिर बनाया जाना चाहिए। सलमान खुर्शीद बताएं कि उस फैसले के बाद कांग्रेस का क्या बयान होना चाहिए था?

सच यही है कि सलमान खुर्शीद सहित कांग्रेस के कई नेताओं को उच्चतम न्यायालय का फैसला पचा नहीं है। पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम इसी पुस्तक के विमोचन के मौके पर स्पष्ट कह रहे थे कि न्यायालय के फैसले का कानूनी आधार एकदम कमजोर है। उन्होंने यह भी कहा कि यह फैसला सही था।

इसलिए दोनों पक्षों ने मान लिया, ऐसा नहीं है। दोनों पक्षों ने मान लिया इसलिए कि यह फैसला सही था। इससे समझा जा सकता है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के अंतर्मन में उच्चतम न्यायालय के फैसले को लेकर कैसी धारणा है। जाहिर है, सलमान खुर्शीद ने इसी को घुमा-फिरा कर लिखने की कोशिश की है। इसमें अतिवादी विचार आने ही हैं, और उनको फंसना ही है।

यह भी समझ से परे है कि ऐसे अनुभवी नेता को इतनी भी समझ नहीं आई कि सामने उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव हैं, और इसकी व्यापक तीखी नकारात्मक प्रतिक्रिया होगी। सच यही है कि सलमान खुर्शीद ने भाजपा को ऐसा मुद्दा दे दिया है, जिसमें उसे लाभ और कांग्रेस को केवल राजनीतिक क्षति होनी है। लगता है कि कांग्रेस के ही कुछ नेता अपने वक्तव्य और विचारों से पार्टी का अंत करने पर तुले हैं। सलमान खुर्शीद की पंक्तियां और चिदंबरम के वक्तव्य उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों के चुनाव अभियानों में प्रतिध्वनित होंगे ही, अन्य राज्यों में भी यह एक बड़ा मुद्दा हो गया है।

आने वाले अनेक वर्षों तक अनेक चुनावों में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता द्वारा हिंदुत्व को आतंकवादी संगठनों के समान बताने किए पंक्तियां उसी तरह उद्धृत की जाती रहेंगी जैसे पी चिदंबरम ने गृह मंत्री रहते हुए भगवा आतंकवाद शब्द प्रयोग किया था। वैसे भी यह मुद्दा होना ही चाहिए कि आखिर, कांग्रेस के ऐसे नेताओं की सोच क्या है। भाजपा इसमें आक्रामक होगी और कांग्रेस के सामने रक्षात्मक होने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने सलमान खुर्शीद का समर्थन भी कर दिया है और उसके लिए तर्क दे रहे हैं। नहीं समझ रहे कि वे इससे देश में विषाक्त वातावरण बनेगा तथा इससे उनकी पार्टी के चुनावी भविष्य पर एक बड़ा ग्रहण लग जाएगा।

हालांकि कोई पार्टी जीते हारे, यह जितना महत्त्वपूर्ण नहीं है, उससे महत्त्वपूर्ण है देश का माहौल। सलमान खुर्शीद भले कहें कि उनका उद्देश्य हिंदू मुस्लिम एकता है लेकिन उनके अतिवादी विचार देश का माहौल खराब करने की भूमिका निभाएंगे।

इतिहास की गलतियों से सीखना होगा

डॉ. सुरजीत सिंह गांधी

आईटी हब एवं व्यावसायिक सेंटर कहे जाने वाले गुड़गांव में कुछ दिन पूर्व सार्वजनिक स्थल पर नमाज पढ़ने को लेकर बड़ा विवाद हो गया। माहौल तनावपूर्ण बन गया था।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन को एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ा। इस तरह की घटनाएं दिल्ली से लेकर पटना और कोलकाता तक अलग-अलग शहरों में अलग-अलग रूप में देखने में आ रही हैं। हिंदूवादी संगठनों का मत है कि नमाज अदा करने पर हमें कोई एतराज नहीं है परंतु सड़कों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नमाज नहीं अदा की जानी चाहिए। इसमें जमा होने वाली भीड़ से लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

दूसरी तरफ, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी सहित अधिकतर मुस्लिम संगठनों का भी मानना है कि नमाज अल्लाह की इबादत है। किसी को तकलीफ देकर इबादत करना ठीक नहीं है, लेकिन वह यह बात पर भी जोड़ते हैं कि जन्माष्टमी, कांवड यात्रा आदि धार्मिक उत्सवों पर सड़कों को क्यों बंद किया जाता है? एक देश, एक संविधान, एक नियम-कानून, फिर उनके अनुपालन में दो नियम क्यों? भारत का संविधान प्रत्येक व्यक्ति को धर्म और उपासना की स्वतंत्रता का अधिकार देता है परंतु भारत का संविधान यह भी कहता है कि प्रत्येक व्यक्ति की स्वतत्रंता वहां समाप्त हो जाती है, जब उससे किसी दूसरे व्यक्ति को परेशानी होने लगती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार सार्वजनिक स्थल पर किसी का भी अतिक्रमण नहीं हो सकता है। मद्रास हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी जिसमें कहा गया था कि पेरम्बलूर जिले के कलाथुर गांव में अल्पसंख्यक हिंदुओं द्वारा मनाए जाने वाले त्योहारों से बहुसंख्यक मुस्लिम समाज की भावनाएं आहत होती हैं, इसलिए उन पर रोक लगनी चाहिए। मद्रास हाई कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है।

किसी क्षेत्र का बहुसंख्यक वर्ग दूसरे वर्ग के मूलभूत अधिकारों, जिनमें धार्मिक प्रक्रियाएं शामिल हैं, को रोक नहीं सकता। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर ऐसा हुआ तो देश के ज्यादातर हिस्सों में अल्पसंख्यक धार्मिक रीति-रिवाज और त्योहार नहीं मना पाएंगे। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि सड़कों और गलियों पर कोई धर्म दावा नहीं कर सकता। उन्हें सब इस्तेमाल कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व के 27 मुस्लिम देशों में भी सार्वजनिक स्थलों पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने यहां तक कहा है कि ध्वनि प्रदूषण के लिए ऊंची आवाज में माइक चलाने पर भी प्रतिबंध होना चाहिए। उल्लेखनीय है कि इंडोनेशिया में लोगों की परेशानियों को देखते हुए मस्जिदों के लाउडस्पीकर की आवाज कम रखने का निर्णय लिया गया है।

भारतीय समाज हमेशा से ही सहिष्णुवादी रहा है, जहां कट्टरता का किंचित मात्र भी स्थान नहीं है। भारत हमेशा से ही प्रताड़ित लोगों के लिए एक शरणस्थली रहा है। अयोध्या में बनने वाली मस्जिद भी सरकार द्वारा ही बनाई जा रही है। भारत का संविधान किसी भी सरकार को इस बात की इजाजत नहीं देता कि वह कोई भी ऐसा कानून बनाए जो धर्म के आधार पर भेदभाव करे। भारत की दुनिया में जो साख है, वह उसकी लोकतांत्रिक धर्मनिरपेक्ष छवि के कारण है। इसके बावजूद कुछ सिरफिरे और असामाजिक तत्व जानबूझ कर माहौल खराब करने में लगे रहते हैं। कुछ राजनीतिक नेता भी लोगों की भावनाओं का व्यापार कर अपना हित साधने में लगे हैं। शासन-प्रशासन को ऐसे तत्वों के साथ सख्ती से निपटना होगा। वर्तमान समय की सबसे बड़ी चुनौती को समय रहते बौद्धिक परिपक्वता के साथ सुलझाना होगा। इसके लिए समाज में सद्भावना दलों के गठन को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए जो समाज एवं पुलिस-प्रशासन के बीच एक सेतु का कार्य करें। आज धर्म के छलावे के मूल्यों को छोड़कर धर्म के नैतिक मूल्यों के प्रसार की आवश्यकता है। इक्कीसवीं सदी में हमारी प्राथमिकता लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित सिर्फ विकास ही होना चाहिए अन्यथा आने वाली पीढ़ियों को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। इन सबके बीच सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि हम इतिहास की गलतियों से भी कुछ सीखने को तैयार नहीं हैं।

ये दोस्ती है कमाल की!

बाघ के बच्चे के साथ अंजना

अमेरिका के एक अभयारण्य में रहने वाली चिम्पैंजी है अंजना। वह इतनी दयालु है कि उसने बहुत से जानवरों के बहुत से अनाथ बच्चों को अपनाया है। अब वह मां की तरह एक बाघ के बच्चे की देखरेख कर रही है और उसकी अठखेलियों में खुश भी हो रही है। वैसे चिम्पैंजी काफी बुद्धिमान और समझदार होते हैं और वे अपने साथ रहने वालों का भी ख्याल रखते हैं।

थेंबा का साथी एल्बर्ट

मां के मर जाने से नन्हा थेंबा (हाथी) बहुत दुखी हुआ और कई दिनों तक इसका शोक मनाता रहा। दक्षिण अफ्रीका के एक अभयारण्य में लाए जाने के बाद भी उसने खाना-पीना छोड़ रखा था। इसी दौरान उसे एल्बर्ट नाम की भेड़ के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला। जल्द ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। खेलने के साथ दोनों झपकियां भी साथ ही लेते। नए दोस्त ने इतनी खुशियां दीं कि थेंबा अपने दुख भूल गया और फिर से खाना-पीना शुरू कर दिया।

बालू-लियो और शेर खान की तिकड़ी

शेर खान दरअसल शेर नहीं, बल्कि एक बाघ है और उसके साथ बालू नाम का भालू और लियो नाम का शेर है। इन तीनों के साथ इनके मालिक ने बुरा सलूक किया था, जिस कारण बालू को चोट भी लग गई। इस मुश्किल की घड़ी में ये एक-दूसरे का सहारा बन गये और अब अमेरिका के एक अभयारण्य में ये अपना सारा वक्त साथ ही गुजारते हैं।

दुश्मन के भी दोस्त बनो

अमित लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ जो अमित को नीचा देखना पड़ा और वह बदल गया।

बहुत पहले की बात है। एक गांव था राजनगर। वहां पर करण नाम का एक लड़का रहता था। वह लड़का स्वभाव का बहुत अच्छा था। पढ़ाई में भी होशियार था। वह बहुत आज्ञाकारी और अपने मां-बाप का कहना मानता था। स्कूल में वह ज्यादातर बच्चों की तुलना में होशियार था। स्वभाव से वह विनम्र था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता था। उसके स्कूल में चाहे उससे बड़े लड़के हों या फिर छोटे, सभी उसे पसंद करते थे। लेकिन इस कारण बहुत से लड़के करण से जलते भी थे। करण की ही क्लास में एक लड़का पढ़ता था, जिसका नाम था अमित। अमित पढ़ाई में तेज नहीं था। उसका स्कूल में खेलने में बहुत मन लगता था। वह अपने माता-पिता की बात नहीं सुनता था और उनसे रूखे तरीके से बात करता था। अपनी क्लास के लड़कों को वह चिढ़ाया करता था। यहां तक कि करण को भी वह खूब परेशान करता था। वह लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती।

अपने आठवें जन्मदिन पर करण को अपने पिता की तरफ से गिफ्ट के तौर पर एक सुंदर सा पेन मिला। करण स्कूल में नोट्स लिखने के लिए वह पेन ले जाने लगा। वह पेन दिखने में तो सुंदर था ही, लिखता भी तेज था। जब अमित ने करण का पेन देखा तो उसे बहुत जलन हुई। अमित ने नजरें तिरछी करके करण से पूछा, 'यह पेन तुम्हें कहां से मिला? क्या तुमने इसे खरीदा है?'

'नहीं, मुझे यह पेन मेरे मम्मी-पापा ने बर्थ डे गिफ्ट में दिया है।' करण ने जवाब दिया।

इस बात से अमित का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया। अपने माता-पिता से वह खुद इतना बुरा सलूक करता था कि अब तक उसे उनसे शायद ही कोई गिफ्ट मिला हो। जब लंच का वक्त हुआ, तो उसने करण का पेन चुराने का फैसला कर लिया। जब हर कोई लंच के लिए बाहर निकल गया, तो अमित ने चुपके से करण के बैग से पेन चुरा लिया। इसके बाद उसने पेन अपने बैग में छिपा लिया और लंच करने बाहर चला गया।

जब करण वापस लौटा तो उसे बैग में अपना पेन नहीं मिला। उसने अपने टीचर को इस बारे में बताया। इसके बाद पूरी क्लास में पेन खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। तब टीचर ने क्लास के मॉनीटर से कहा कि वह सबके बैग की तलाशी ले। जल्द ही अमित के बैग से पेन मिल गया। उसे गुस्से से देखते हुए टीचर ने पूछा, 'अमित, पेन तुम्हारे बैग से निकला है, इस बारे में तुम्हें कुछ कहना है?'

अमित की आंखों में आंसू आ गए। वह कुछ नहीं बोला।

जब करण ने अमित को रोते हुए देखा, तो उसे अमित पर दया आ गई। उसके दिल में अमित के लिए कोई गिला-शिकवा नहीं था। उसने टीचर से कहा कि उसका खोया हुआ पेन वापस मिल गया है, अब वे अमित को सजा न दें। करण के इन शब्दों ने अमित की आंखें खोल दीं। वह हमेशा करण को परेशान करता था, लेकिन करण ने हमेशा उससे अच्छा व्यवहार किया। इस समय उसे एहसास हो रहा था कि करण कितना अच्छा लड़का है। उसने तुरंत करण और क्लास टीचर से माफी मांगी। इसके बाद करण और अमित दोस्त बन गए। फिर तो अमित का व्यवहार बदल गया और सभी उसे पसंद करने लगे। करण को अपने नए दोस्त पर नाज था।

हंसने वाला कोका

साथियों, क्या तुमने ऑस्ट्रेलिया के हंसने वाले कोका के बारे में सुना है? आजकल ऑस्ट्रेलिया में यह खूब चर्चित हो रहा है। हंसने वाले कोका का दरअसल राज यह है कि इसका मुंह इस तरह का बना होता है, मानो खुशी से हंस रहा हो। छोटे चूहे जैसा यह जानवर आजकल ऑस्ट्रेलिया में पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह बेहद सेल्फी फ्रेंडली जानवर है। इसके साथ सेल्फी आती भी बड़ी मस्त है। इसकी स्माइलिंग वाले जबड़े की बनावट के कारण कुछ समय पहले इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि भी मिल चुकी है। कोका वैसे तो एक साथ रहना पसंद करते हैं। आमतौर पर ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट आइलैंड पर ये खूब पाए जाते हैं।

एक है कैट आइलैंड

तुमने वह कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक राजा ने मक्खियों को उड़ाने की नौकरी एक बंदर को दी थी। एक दिन राजा की नाक पर बैठी मक्खी को उस बंदर ने डंडे से ऐसा भगाया कि राजा की नाक ही टूट गई। उसके बाद राजा ने ऐसे दोस्तों से तौबा कर ली थी। कुछ ऐसा ही माजरा हुआ है दक्षिण जापान के एक दूर के द्वीप पर। वहां पर अधिकतर मछुआरे रहते हैं। बेचारों ने काफी समय पहले एक ऐसे दोस्त से दोस्ती कर ली, जो अब उनकी जान की मुसीबत बन गया है। दक्षिणी जापान के आओशिमा नामक द्वीप पर मछुआरों की दोस्त बनकर आई बिल्लियां अब संख्या में इतनी ज्यादा हो गई हैं कि जिधर नजर घुमाओ, बिल्लियां ही बिल्लियां नजर आती हैं। ये इतनी ज्यादा हो गई हैं कि यहां हर एक आदमी पर छह बिल्लियों का अनुपात बन गया है। बेचारे इस द्वीप के रहने वाले। हर वक्त उन्हें भगाते ही रहते हैं। कुछ उन्हें खाना भी खिलाते हैं। कुछ वर्षों पहले जब यहां चूहे बहुत ज्यादा हो गए थे और वे आए दिन मछुआरों की नाव काटने लगे, तो बिल्लियों को इस द्वीप पर लाया गया। अब चूहे तो नहीं रहे, लेकिन चारों तरफ बिल्लियां ही बिल्लियां हैं। इस द्वीप पर कुछ बुजुर्ग और युवा ही रहते हैं। बाकी सभी बड़े शहर चले गए हैं। अब यहां इतनी बिल्लियां हैं कि कोई रेस्टोरेंट या खोमचा नहीं खोला जा सकता। यहां केवल इस 'कैट आइलैंड' को देखने आने वालों को लाने-ले जाने वाली मोटरबोट ही ज्यादा दिखती हैं। हालांकि कुछ लोगों को इस द्वीप पर बिल्लियों को देखने में खूब मजा आता है।

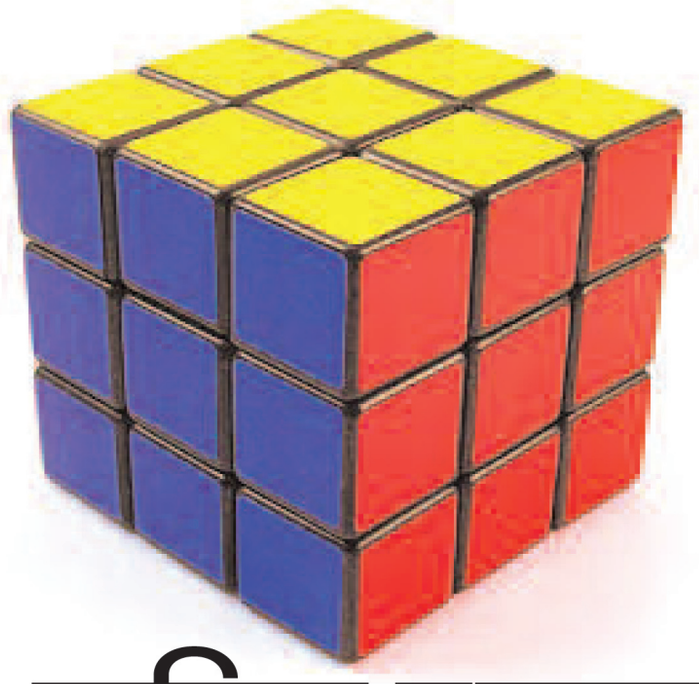

रूबिक क्यूब्स का तोड़ा रिकॉर्ड

अगर इंटेलिजेंट होने की बात आती है, तो रूबिक क्यूब्स में महारत की बात भी जरूर उठती है। आपको पता है कि रूबिक क्यूब्स क्या होते हैं?

दोस्तों, तुम सभी ने आकार में चौकोर कई रंग-बिरंगे खानों वाला यह क्यूब कभी न कभी खेला जरूर होगा। उसे हल करना आमतौर पर लोगों के लिए बहुत कठिन होता है। इसीलिए उसे जो सही-सही खेल ले, वह बड़ा बुद्धिमान माना जाता है। इस क्यूब को पसंद करने वालों में बहुत से ऐसे भी हैं, जो इसे सबसे जल्दी हल करने की प्रतियोगिता भी करते हैं। उन्हें 'स्पीड क्यूबर्स' के नाम से जाना जाता है। बहुत से लोग इसके लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि भारत के भार्गव नरसिम्हन। वह एक जाने-माने स्पीड क्यूबर हैं। उनके नाम रूबिक क्यूब के दो नेशनल रिकॉर्ड हैं और अब खबर है कि उन्होंने 5 रूबीस क्यूब का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। यह उन्होंने एक मिनट के अंदर हल कर दिया। यह काम उन्होंने केवल एक हाथ से ही कर दिखाया। वैसे भार्गव केवल 22 साल के हैं और अभी पढ़ाई कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर तुम भी रूबिक क्यूब्स को जल्द से जल्द हल करने का मुकाबला रख सकते हो। तुम्हें बहुत मजा आएगा।

अक्टूबर में एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री बढ़ी

त्योहारी मांग बढ़ने से 21 फीसदी इजाफा

नई दिल्ली। देश के फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स एफएमसीजी बाजार में अक्टूबर के दौरान सालाना आधार पर 21 फीसदी ग्रोथ देखने को मिली है। इसमें पैकेज्ड फूड, चावल, दाल, आटा जैसी कमोडिटीज और लग्जरी सामान की तगड़ी बिक्री का अहम योगदान रहा। होमकेयर सेगमेंट की बिक्री में सुस्ती देखने को मिली।

देश के 75 लाख रिटेल स्टोर्स को सेल्स ऑटोमेशन सुविधा मुहैया कराने वाली फर्म बिजोम की ताजा रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, सभी श्रेणियों की बिक्री में 13 से 35 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई है, जबकि होमकेयर सेगमेंट की बिक्री आठ फीसदी घटी है। किराना स्टोर्स की बिक्री बढ़ाने में त्योहारी सीजन जल्द शुरू होने की अहम भूमिका रही। पिछले साल त्योहारी सीजन नवंबर में शुरू हुआ था। त्योहारी सीजन बहुत अच्छा रहा। कंज्यूमर सेंटिमेंट अभी पॉजिटिव है। इसके कई कारण हैं, जिनमें तेज टीकाकरण, पेंटअप डिमांड, कोरोना की पाबंदियों में ढील के बाद लोगों की आवाजाही बढ़ना जैसे कारण शामिल हैं। लोगों में आशावाद ऐसे समय बढ़ा है जब महंगाई का दबाव कंपनियों को मूल्यवृद्धि के लिए मजबूर कर रहा है। पाम, कच्चा तेल और चाय की कीमतें एक साल पहले की तुलना में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ गई हैं, जबकि पैकेजिंग सामग्री के दाम पिछले साल की तुलना में 30 से 35 फीसदी बढ़े हैं। अक्टूबर में कमोडिटी सेगमेंट में सबसे अधिक 35.4 फीसदी बिक्री का इजाफा देखने को मिला है। वहीं शीतलपेय पदार्थों की बिक्री भी 22.1 फीसदी बढ़ी है। इसके अलावा पर्सनल केयर उत्पादों की बिक्री में 17.6 फीसदी का उछाल आया है। जबकि त्योहारों के चलते कन्फेक्शनरी उत्पादों की मांग 14.3 फीसदी बढ़ी है। साथ ही पैकेज्ड फूड्स की डिमांड में भी 13.1 फीसदी का इजाफा हुआ है।

एफएमसीजी सेगमेंट	बढ़त प्रतिशत में
कमोडिटी	35.4
शीतलपेय	22.1
पर्सनल केयर	17.6
कन्फेक्शनरी	14.3
पैकेज्ड फूड्स	13.1

जीडीपी के 10 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना

हम उच्च विकास दर वाले भारत की ओर बढ़ रहे

मुंबई । प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय ने बुधवार को कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था उच्च विकास पथ की ओर बढ़ रही है और वित्त वर्ष 2021-22 में इसके लगभग 10 प्रतिशत की दर से बढ़ने की संभावना है। देबरॉय ने एसबीआई के एक कार्यक्रम में कहा, मुझे विश्वास है कि हम एक उच्च विकास दर, उच्च गरीबी उन्मूलन दर, उच्च रोजगार दर के साथ एक समृद्ध, अधिक विकसित और बेहतर शासित भारत की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस साल वित्त वर्ष 2022 विकास की वास्तविक दर लगभग 10 प्रतिशत रहने वाली है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की शुरुआत में वास्तविक वृद्धि का अनुमान 8.5-12.5 प्रतिशत के बीच था। देबरॉय ने कहा कि हालांकि, जीएसटी राजस्व, ई-वे बिल, बिजली की खपत, वाहन पंजीकरण, रेलवे भाड़ा, कॉर्पोरेट लाभप्रदता, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एफडीआई प्रवाह और इस्पात की खपत सहित सभी प्रकार के उच्च आवृत्ति संकेतक अब इसके बारे में विश्वास पैदा करते हैं कि चालू वित्त वर्ष में वास्तविक विकास दर करीब 10 फीसदी रहेगी।

बैंकों के कारोबारी मॉडल पर नजर

हस्तक्षेप का इरादा नहीं : दास

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक की बैंकों के कारोबारी मॉडल और रणनीतियों पर नजदीकी नजर है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय बैंक के इस कदम का मकसद बैंकों के वाणिज्यिक फैसलों में हस्तक्षेप करने का नहीं है। उन्होंने कहा, रिजर्व बैंक ने बैंकों के कारोबारी मॉडल और रणनीतियों पर नजदीकी निगरानी शुरू की है।

गवर्नर ने कहा, आप अपने व्यावसायिक फैसले ले सकते हैं, हम हस्तक्षेप नहीं करेंगे। लेकिन हम यह जरूर देखेंगे कि किस तरह की कमजोरियां और जोखिम बन रहे हैं। हमारी पहली प्राथमिकता बैंकों को खुद सतर्क करने की होगी। उन्होंने कहा कि अब रिजर्व बैंक की निगरानी तात्कालिक आधार पर हो रही है और यह कोई वार्षिक प्रक्रिया नहीं रह गई है। प्रौद्योगिकी की वजह से आरबीआई बेहतर ढंग से निगरानी कर पा रहा है। दास ने कहा कि बैंक व्यावसायिक फैसले लेते समय उपलब्ध नकदी तथा दिए जा रहे ब्याज ढांचे का भी ध्यान रखें। इस तरह के निर्णय मजबूत सिद्धान्तों के आधार पर लिए जाने चाहिए।

इंडिगो ले सकती है चेक इन लगेज पर किराया

कमाई का रास्ता नए सिरे से तलाश रही कंपनी

मुंबई । एशिया की सबसे बड़ी बजट एयरलाइंस में से एक इंडिगो, अब चेक इन लगेज के लिए यात्रियों से चार्ज लेने पर विचार कर रही है। इंडिगो भारत के तगड़ी प्रतिस्पर्धा वाले हवाई यात्रा मार्केट में प्राइस वार के लिए खुद को तैयार कर रही है। दरअसल कोरोना महामारी का असर कम हो चुका है।

हवाई यात्रियों की संख्या कोरोना के पहले के लेवल पर आ गई है। फ्लाइट के टिकट किराए की सीमा अब खत्म हो चुकी है। इसलिए अब एयरलाइंस कंपनियां कमाई का रास्ता नए सिरे से तलाश रही हैं। हालांकि कोरोना में भी इन कंपनियों ने कमाई का रास्ता बना लिया था। कोरोना के समय ऑन लाइन वेब चेक इन पर हर सीट के लिए 99 रुपए से 2 हजार रुपए तक चार्ज किए जा रहे थे। साथ ही अगर किसी ने एयरपोर्ट के काउंटर पर बोर्डिंग पास लिया तो उससे भी 100 रुपए लिए जा रहे थे। इंडिगो दरअसल फरवरी में किराए के साथ अलग से चार्ज लगाने की योजना बनाई थी। पर कोरोना की वजह से यह योजना सफल नहीं हुई। उस समय नागरिक उड्डयन महानिदेशालय डीजीसीए ने कहा था कि अगर एयरलाइंस चाहें तो यात्रियों को जीरो लगेज के लिए कह सकते हैं और चेक इन बैगेज पर कोई किराया लागू नहीं होगा। अक्टूबर में डीजीसीए ने एयरलाइंस को 100 फीसदी ऑपरेशन की मंजूरी दे दी गई थी। इसके बाद दिल्ली और मुंबई जैसे एयरपोर्ट पर लंबी लंबी लाइन की वजह से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और सोशल मीडिया पर इस समस्या को उठाया गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण लक्ष्य हासिल करना मुश्किल

400 अरब डॉलर का है लक्ष्य

नई दिल्ली। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन आईसीईए ने कहा है कि सरकार की नीति के तहत निर्धारित 400 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के लक्ष्य को तय समयसीमा में हासिल करना मुश्किल है। हालांकि माल एवं सेवा कर जीएसटी में कटौती होने पर 2025 तक मोबाइल फोन उत्पादन में 15 अरब डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति 2019 के तहत 2025 तक 400 अरब के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के सृजन का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इसी महीने कहा था कि अगले तीन-चार साल में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के 300 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। आईसीईए के चेयरमैन पंकज महेंद्रू ने कहा कि उद्योग ने कोविड 19 महामारी की वजह से दो साल गंवा दिए हैं। ऐसे में 2025 तक मोबाइल फोन के 80 अरब डॉलर के उत्पादन के लक्ष्य की तुलना में सिर्फ 50 अरब डॉलर का उत्पादन लक्ष्य ही हासिल होने की उम्मीद है। महेंद्रू ने कहा कि यदि हम 2025-26 तक घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को 250 अरब डॉलर तक पहुंचा पाते हैं, तो यह काफी अच्छा प्रदर्शन होगा। 2021 में यह 70 अरब डॉलर के आसपास है।

लगातार दूसरे दिन गिरा शेयर बाजार

सेंसेक्स 314 अंक कमजोर

मुंबई । वैश्विक बाजार के कमजोर संकेत से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर एक्सिस बैंक, रिलायंस, कोटक बैंक, एयरटेल समेत 20 कंपनियों में हुई बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार बुधवार को लगातार दूसरे दिन भी गिर गया लेकिन सेंसेक्स 60 हजार अंक से ऊपर टिकने में सफल रहा। बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 314.04 अंक लुढ़ककर 60,008.33 अंक और एनएसई का निफ्टी 113.40 अंक गिरकर 17,885.80 अंक पर रहा। बड़ी और मझौली कंपनियों के विपरीत छोटी कंपनियों में लिवाली हुई। मिडकैप 0.21 फीसदी टूटकर 26,360.61 अंक जबकि स्मॉलकैप 0.05 प्रतिशत की मामूली बढ़त लेकर 29,243.64 अंक पर रहा।

इस दौरान एफएमसीजी, हेल्थकेयर, यूटिलिटीज, ऑटो और पावर समूह की 0.63 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर शेष अन्य समूह लाल निशान पर रहे। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.35 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.40 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसैंग 0.25 प्रतिशत गिर गया जबकि जर्मनी का डैक्स 0.12 प्रतिशत और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.44 प्रतिशत की तेजी रही। सेंसेक्स करीब 142 अंक टूटकर 60,179.93 अंक पर खुला लेकिन लिवाली के बल पर यह 60,426.61 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। बिकवाली के दबाव में यह 59,944.77 अंक के निचले स्तर तक फिसल गया। निफ्टी भी लगभग 60 अंक फिसलकर 17,939.35 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 18,022.65 अंक के उच्चतम और 17,879.25 अंक के न्यूनतम स्तर तक गया।

बाजार समीक्षा चावल का सरकारी भंडार गत वर्ष से 13.8 फीसदी अधिक

केंद्रीय पूल में गेहूं स्टॉक 4.17 फीसदी ज्यादा

इंदौर। केंद्रीय पूल के तहत सरकारी भंडार में खाद्यान्नों (गेहूं-चावल) के बेहतर उठाव और निर्यात में बढ़तरी के बावजूद नवंबर माह के आरंभ में खाद्यान्न स्टॉक पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 78.12 लाख टन बढ़कर 649.03 लाख टन मौजूद था, जो नवंबर-20 की शुरुआत में 570.91 लाख टन उपलब्ध था।

उल्लेखनीय है कि देश में इस साल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं-चावल की रिकॉर्ड खरीदी होने से केंद्रीयपूल में खाद्यान्न का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। नवंबर माह के आरंभ में केंद्रीय पूल में अनाज का सरकारी भंडार गत वर्ष की इसी अवधि के 570.91 लाख टन की तुलना में 78.12 लाख टन बढ़कर 649.03 लाख टन मौजूद था। इसके तहत चावल का स्टॉक नवंबर आरंभ में पिछले साल के 167.92 लाख टन की तुलना में 61.30 लाख टन बढ़कर 229.22 लाख टन उपलब्ध था।

इसी तरह नवंबर आरंभ में गेहूं का स्टॉक भी पिछले साल नवंबर के 402.99 लाख टन के मुकाबले 17.18 लाख टन बढ़कर 419.81 लाख टन उपलब्ध था। गोरतलब है कि सरकार ने देश में व्याप्त महामारी(कोरोना) संक्रमण काल में गरीबों को बड़ी मात्रा में कई महीनों तक फ्री अनाज का आवंटन किया था। देश में इस साल रबी फसल के तहत गेहूं की बुआई पिछले साल की तुलना में पिछड़ रही है। इसका उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है।

विदेशी समर्थन से सोयाबीन एवं तेल के दाम मजबूत

इंदौर। बुधवार को देश में सोयाबीन आवक 7.50 लाख व सरसों आवक 1.50 लाख बोरी हुई। जयपुर में तेल कंडीशन आधारित सरसों 50 रु बढ़कर 8600 रु प्रति क्विंटल थी। विदेशी बाजारों में तेजी के समर्थन से सोयाबीन के दाम भी मजबूती लिए रहे। प्लांट सौदो में प्रकाश 5950, धानुका 6050, लक्ष्मी 6025, एमएस पचोर 6025, एमएस नीमच 6025, महाकाली 6025, कृति 6025, इटारसी 6100, खंडवा 6000, मालू 6000, रामा 5950, रु क्विंटल थे। मलेशिया पाम तेल वायदा 1355 डॉलर प्रति टन था। केएलसीई 104 रिंगिट मजबूत बंद हुई। शिकागो सोया तेल वायदा रनिंग प्रोजेक्शन में 53 सेंट ऊंचा चल रहा था। खाद्य तेल प्रति 10 किलो सोया रिफाइंड 1245-1250, साल्वेंट 1170-1175, मुंबई रिफा. 1240 मूंगफली तेल 1380-1400, मुंबई 1380, गुजरात 1350, कॉटन तेल 1220, , पाम तेल मुंबई 1190 इंदौर पाम तेल 1260-1265 रु थे।

कपास्या खली के दाम स्थिर

कपास्या खली के दाम प्रति 60 किलो के सौदो में स्थिर रहे। भाव इंदौर 1650, देवास, उज्जैन 1650-1655, खंडवा-बुरहानपुर 1610-1615 रु व अकोला 2550 रु क्विंटल।

खाद्य भंडारण संबंधी प्रावधान में बदलाव की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की 30 नवंबर से शुरू होकर 3 दिसंबर तक चलने वाली बैठक में खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण के मुद्दे पर एक स्थायी समाधान तलाशने के लिए प्रयास करेगा। एक अधिकारी ने बुधवार को कहा कि इस बैठक से सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग एवं घरेलू समर्थन पर कुछ सामने आने की उम्मीद है। कृषि क्षेत्र को लेकर जारी वार्ताओं में सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग का मुद्दा काफी अहम माना जा रहा है। बैठक में डब्ल्यूटीओ के 164 सदस्य देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। जी-33 समूह के साथ भारत सार्वजनिक स्टॉक होल्डिंग का स्थायी समाधान निकालने की कोशिश में लगा रहा है।

बुआई घटने व निर्यात मांग बढ़ने से गेहूं में मजबूती

इंदौर। देश में रबी फसलों में गेहूं की बुआई पिछले साल से पिछड़ी है। वहीं हाजिर बाजारों में सीमित आवकों के बीच निर्यात मांग बेहतर होने से भाव में मजबूती चल रही है। बुधवार को मंडी में भाव गेहूं चालू 1930-2100, मध्यम 2250-2450, बेस्ट 2600-2800, शरबती 3000-3300 रु। मिल डिलीवरी सौदो में इंदौर, देवास. पीथमपुर 2080-2100, जलगांव, धुलिया अमलनेर 2180, पुणे 2390, हैदराबाद 2350, बैंगलुरु 2550 रु। मक्का डिलीवरी इंदौर 1600, आणंद 1750, दुलिया 1700, पनवेल 1850 रु क्विंटल के भाव थे।

तुवर दाल की कीमतों में गिरावट

इंदौर। दालों में कमजोर मांग के बीच बुधवार को तुवर दाल के भाव में 100 रु क्विंटल की गिरावट दर्ज हुई। नेफेड की बिकवाली से चना भी दबाव में देखने को मिल रहा है। डॉलर चने के ऊंचे दामों पर मांग कमजोर है।मंडी में डॉलर चने की आवक करीब 2200 बोरी हुई, जो मंडी में 8000-9200, निर्यात सौदो में 42-44 काउंट 9250-9300, 58-60 काउंट 9000, चना कांटा 5100-5125, विशाल चना 4900-4950, मसूर 7250-7275, उड़द 7100-7300, एवरेज 5000-6200, मूंग 7000-7250, एवरेज 5500-6500, तुवर लोकल 5000-5600, महाराष्ट्र 6000-6100, कर्नाटक 6200-6300 रु क्विंटल।

दाल-चावल भाव

दालें- चना दाल 5950-6550, तुवर दाल 8300-9400, मसूर दाल 8400-9500, मूंग दाल 8000-8300, मोगर 8450-8750, उडद दाल 9300-9600, मोगर 9800-10300 रु।

चावल- दयाल दास अजित कुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 9000-9500, तिबार 7500-8000, दुबार 6500-7000, मिनी दुबार 6000-6500, मोगरा 3000-5500, सैला 5000-7500, कालीमूंछ डिनरकिंग 7000, राजभोग 6000, दूबराज 3500-4000, परमल 2400-2600 हंसा सैला 2400-2550 हंसा सफेद 2300-2400 पोहा 3200-3600 रु।

यूपी में गन्ना बकाया 3895 करोड़ रु

नई दिल्ली। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि यूपी के गन्ना किसानों का बकाया घटकर 3895 करोड़ रु रह गया है। आधिकारिक बयान के अनुसार, गोयल ने कानपुर के राष्ट्रीय चीनी संस्थान के दीक्षांत समारोह का वर्चुअल तरीके से उद्घाटन करते हुए यह बात कही।

गोयल के पास वाणिज्य-उद्योग, उपभोक्ता मामलें, खाद्य-सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा मंत्रालय का प्रभार है। अपने संबोधन में उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए गन्ने की उत्पादकताव उत्पादन बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि चीनी उद्योग उत्पादकता बढ़ाकर लाखों किसानों की आय बढ़ाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि संस्थान और उसके विद्यार्थियों को गन्ना किसानों की 50 लाख हेक्टेयर जमीन की उत्पादकता और मूल्य वर्धन की दिशा में प्रयास करना चाहिए। गोयल ने बताया कि 2020-21 में देश का चीनी निर्यात 20 प्रतिशत बढ़कर 71 लाख टन रहा है। उन्होंने कहा कि 2020-21 में गन्ना किसानों के 92 प्रतिशत बकाया का भुगतान किया गया है। यह किसी एक चीनी सत्र का सबसे ऊंचा आंकड़ा है।

छह सरकारी उपक्रमों के लिए जनवरी तक आएगी निविदा

बीपीसीएल, बीईएमएल एवं शिपिंग कॉर्प शामिल

नई दिल्ली । केंद्र सरकार बीपीसीएल, बीईएमएल एवं शिपिंग कॉर्प समेत छह केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण के लिए जनवरी 2021 तक वित्तीय निविदाएं जारी करेगी। निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग दीपम के सचिव तुहीन कांत पांडेय ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने इन केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों के लिए बोलियां लगाने को निजी कंपनियों को भी आमंत्रित किया।

पांडेय ने सीआईआई वैश्विक आर्थिक नीति सम्मेलन 2021 को संबोधित करते हुए कहा, 19 वर्षों के बाद इस साल पांच-छह सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण देखने को मिलेगा। बीपीसीएल इस समय सम्यक तत्परता के चरण में है। बीईएमएल, शिपिंग कॉर्प, पवन हंस, सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स और एनआईएनएल के लिए भी दिसंबर-जनवरी के दौरान वित्तिय निविदाएं आमंत्रित की जा सकती हैं। सार्वजनिक इकाइयों के विनिवेश की प्रक्रिया संचालिच करने वाले विभाग दीपम के सचिव ने कहा कि इन उपक्रमों को निजी हाथों में सौंपने की प्रक्रिया चालू वित्त वर्ष में ही पूरी हो जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारतीय जीवन बीमा निगम एलआईसी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम आपीओ के भी इस वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में आने की संभावना है। उन्होंने कहा, एलआईसी का आईपीओ लाने के लिए हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पूंजी बाजार के लिए यह जनवरी-मार्च तिमाही की बहुत बड़ी घटना होगी। एलआईसी का शेयर बाजार में सूचीबद्ध होना सरकार के लिए विनिवेश लक्ष्य को हासिल करने के लिहाज से बेहद अहम होगा।

चीनी मिलें एथनॉल एवं सीएनजी क्षेत्रों में विविधीकरण करें : पवार

नई दिल्ली। पूर्व कृषि मंत्री शरद पवार ने चीनी मिलों से कहा है कि उन्हें एथनॉल व सीएनजी जैसे अन्य उत्पादों के क्षेत्र में विविधीकरण पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने नेशनल फेडरेशन ऑफको-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज के समारोह में कहा कि विविधीकरण से चीनी मिलों के अधिशेष उत्पादन का इस्तेमाल हो सकेगा और वे विनिर्माण संयंत्रों का आधुनिकीकरण भी कर सकेंगी।

पवार ने 2016-17 के सत्र से लेकर पांच वर्षों में सहकारी मिलों को जारी आयकर नोटिस के मामलों में राहत देने के केंद्र के फैसले की सराहना की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह राहत नाकाफी है सरकार को 1992-93 से इस तरह की राहत देने की जरूरत है। पवार ने बताया कि देश के किसानों ने गन्ना फसल के मामले में रिकॉर्ड उत्पादन हासिल किया है। गन्ने का बुवाई क्षेत्र बढ़कर 55 लाख हेक्टेयर के स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि वर्तमान में देश में चीनी का उत्पादन बढ़कर 300 लाख टन के पार नए ऊंचे स्तर पर जा पहुंचा है। उत्पादन इतना हो रहा है कि निर्यात बढ़ने पर भी खपत के लिए आपूर्ति सुगम चल रही है। देश में शकर की सालाना खपत 260 से 262 लाख टन की है। उन्होंने कहा कि चीनी मिलों को 1992-93 से वसूली के नोटिस मिले हुए हैं। सरकार को शेष 24 साल के लिए भी राहत देना चाहिए। उन्होंने कहा चीनी मिलों को एथनॉल,सीएनजीए सीबीजी और हरित हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में विविधीकरण करने की जरूरत है।

वैवाहिक सीजन के बावजूद सोना-चांदी की मांग सीमित

इंदौर। देश में शादी-ब्याह का नया चरण आरंभ हो गया है, लेकिन सोना-चांदी में मांग का दायरा सीमित बना हुआ है। बुधवार को कॉमेक्स पर सोना ऊंचे में 1866.50, नीचे में 1852.20 डॉलर प्रति औंस के दायरे में था। वहीं चांदी ऊंचे में 2527, नीचे में 2489 सेंट प्रति औंस पर मंदी चल रही थी। **इंदौर सराफा-** में सोना केश में 50500, आरटीजीएस में 50550 रु प्रति 10 ग्राम था, चांदी केश में 67100 आरटीजीएस 67800 रु प्रतिकिलो के भाव बताई जा रही थी। चांदी सिक्का 750 रु नग था। **रतलाम सराफा** - आरटीजीएस सोना 50550 रु प्रति 10 ग्राम व चांदी 67100 रु प्रति किलो बताई जा रही थी। **उज्जैन सराफा-** सोना केश में 50600 रु प्रति 10 ग्राम, चांदी 67400 रु किलो थी।

वैश्विक सराफा

विवरण	सोना	चांदी
ऊंचे में	1866.50	25.27
नीचे में	1852.20	24.89
रनिंग में	1863.50	25.20

सरकारी बैंकों की हालत में सुधार

एनपीए में तेजी से हुई है कमी: सीतारमण

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों के प्रयासों का परिणाम सामने आने लगा है और इन बैंकों का चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही का लाभ उनके पिछले पूरे वित्त वर्ष के लाभ के करीब-करीब बराबर है। श्रीमती सीतारमण ने कहा, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की पहल के उल्लेखनीय परिणाम दिख रहे हैं, उनका इस वित्त वर्ष की पहली छमाही का लाभ पिछले पूरे वर्ष के लाभ के करीब-करीब बराबर रहा। उन्होंने बताया कि शुद्ध एनपीए भी सितंबर तिमाही में सात वर्ष के न्यूनतम स्तर 2.9 प्रतिशत पर आ गया। उन्होंने कहा कि देश में कोविड संकट के बाद आर्थिक गतिविधियों में तेज सुधार हुआ है जो भारतीय

अर्थव्यवस्था की मजबूती दर्शाता है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के अभियान के कारण उनके कर्ज के कारोबार में अच्छी वृद्धि हुई है। उनके द्वारा दिए जाने वाले कर्ज की वृद्धि बढ़कर सितंबर 2021 में 6.8 प्रतिशत रही जो सितंबर 2020 में 5.1 प्रतिशत थी। उन्होंने कहा बैंकों ने इस वित्त वर्ष में बाजार से 10,000 करोड़ रुपए की पूंजी जुटाई है और अब वे सरकार से पूंजी की मांग नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 16 अक्टूबर से सात नवंबर के बीच देश भर में विशेष कर्ज सहायता अभियान के तहत 17,51,326 खातों में 76,011.79 करोड़ रुपए के कर्ज मंजूर किए गए।

उद्यमी निवेश का जोखिम उठाएं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय उद्योग जगत का निवेश और क्षमता विस्तार करने का जोखिम उठाने का आ्रवान करते हुए बुधवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न गंभीर रुकावटों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेज वृद्धि कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। वित्त मंत्री ने घरेलू उद्योगों को निवेश का जोखिम उठाने का आ्रवान करते हुए कहा कि उनके निवेश के फैसलों को देख कर सरकार भी अपनी नीतियों और वित्तीय पहलों को गति दे सकती है।

डाउनलोड गति में जियो अव्वल

नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने अक्टूबर में 4जी सेवा प्रदाताओं के बीच उच्चतम औसत डाटा डाउनलोड गति 21.9 मेगाबाइट प्रति सेकेंड के साथ अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ट्राई द्वारा प्रकाशित ताजा आंकड़ों के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है। हालांकि, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया नेटवर्क लगातार डेटा डाउनलोड गति में वृद्धि दर्ज कर रहे हैं, जिससे जियो नेटवर्क के साथ उसका अंतर कम हो गया है। 4जी डेटा डाउनलोड गति में मामूली गिरावट के बादए अक्टूबर में जियो नेटवर्क ने जून में दर्ज की गई 21.9 एमबीपीएस की गति के स्तर को फिर से हासिल कर लिया है, जबकि एयरटेल और वोडाफोन आइडिया लिमिटेड वीआईएल ने डेटा डाउनलोड गति में लगभग ढाई गुना वृद्धि दर्ज किया।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, डब्ल्यूबीबीएल में शतकीय पारी खेलने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

मैकॉय। (एजेंसी)।

भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने बुधवार को इतिहास रच दिया। महिला बिश बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में मंधाना शतकीय पारी खेलने वाली पहली भारतीय बन गईं हैं। मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ मुकाबले में मंधाना ने 64 गेंद में 14 चौके और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 114 रन की पारी खेली। इसके बावजूद सिडनी थंडर्स को हार का सामना करना पड़ा और उनका सेमीफाइनल में पहुंचने का सपना महज सपना ही रह गया।

मंधाना ने की गार्डनर के स्कोर की बराबरी

आपको बता दें कि मंधाना ने शतकीय पारी खेल डब्ल्यूबीबीएल इतिहास में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एशले गार्डनर के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर की बराबरी की कर ली है। हालांकि उनकी शतकीय पारी सिडनी थंडर्स के काम नहीं आ सकी और मेलबर्न रेनेगेड्स ने 4 रन से मुकाबले को अपने नाम कर लिया। मेलबर्न रेनेगेड्स की तरफ से ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर ने न सिर्फ बल्ले से बल्कि गेंद से भी अपना जलवा दिखाया। उन्होंने 55 गेंद में 11 चौके और 2 छक्कों की मदद से 81 रन की नाबाद पारी खेली। इसके अलावा उन्होंने सैमी-जो जॉनसन का महत्वपूर्ण विकेट भी चटकाया। हरमनप्रीत कौर ने 4 ओवर में 27 देकर 1 विकेट चटकाया।

एटीपी फाइनल्स में नोवाक जोकोविच की एंट्री, आंद्रे रूबलेव को सीधे सेटों में हराया

तुरिन। (एजेंसी)।

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बुधवार को यहां आंद्रे रूबलेव को सीधे सेटों में हराकर एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि कैस्पर रुड भी कड़े मुकाबले में जीत दर्ज करने में सफल रहे। दुनिया के शीर्ष आठ खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले सत्रांत टूर्नामेंट में रोजर फेडरर के रिकॉर्ड छह खिताब की बराबरी करने के लिए चुनौती पेश कर रहे जोकोविच ने रूबलेव को 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच ने एक बार फिर शानदार सर्विस की। रूबलेव हालांकि पहले ही गेम में उनकी सर्विस तोड़ने में सफल रहे। जोकोविच ने दोनों सेटों में दो-दो बार विरोधी खिलाड़ी की सर्विस तोड़ी और 12वां ऐस जड़कर मैच अपने नाम किया।

ग्रीन ग्रुप में जोकोविच ने अपने दोनों मुकाबले जीत लिए हैं। उन्होंने पहले मैच में कैस्पर रुड को हराया था। रुड ने सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा है। उन्होंने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ब्रिटेन के कैमरन नोरी को कड़े मुकाबले में 1-6, 6-3, 6-4 से हराया। 2018 के चैंपियन स्टीफानोस सितसिपास के चोट के कारण हटने पर नोरी को दूसरे वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में उतारा गया है। इससे पहले मंगलवार को मातियो बेरेतिनी की जगह यानिक सनिर ने ली थी। शुक्रवार को अब रुड का सामना रूबलेव से होगा। ये दोनों ही खिलाड़ी ग्रीन ग्रुप से अंतिम चार में जगह बनाने की दौड़ में बने हुए हैं।

रांची में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत सीरीज पर करना चाहेगा कब्जा

जयपुर (एजेंसी)।

रांची, 18 नवंबर (आईएएनएस)। टी20 सीरीज के पहले मैच में बुधवार को यहां जयपुर में एक रोमांचक मुकाबले में भारत ने जीत दर्ज की। अब भारतीय टीम जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज पर कब्जा करना चाहेगी।

जयपुर में मेजबान टीम पहले मैच से कई अच्छी चीजें ले सकती है। जैसे, शर्मा के स्ट्रोक से भरे 48 रन, रविचंद्रन अश्विन के दो महत्वपूर्ण विकेट के अलावा, सूर्यकुमार यादव ने 40 गेंदों पर 62 रन बनाकर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के अवसर का भरपूर फायदा उठाया। साथ ही भुवनेश्वर कुमार ने अपने चार ओवरों में 24 रन देकर दो विकेट लिए। भारत को पिछले मैच में अंतिम चार ओवरों में 23 रनों की जरूरत थी, जिससे भारत के जल्द जीतने की उम्मीद की जा सकती थी। लेकिन कप्तान टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट और लॉकी फर्ग्यूसन की न्यूजीलैंड की तेज तिकड़ी ने 17वें, 18वें और 19वें ओवर में सिर्फ 13 रन देकर अंतिम ओवर में मैच को रोमांचक बना दिया। क्योंकि 20वें ओवर में भारत को जीतने के लिए 6 रनों की आवश्यकता थी।

इसके बाद, डेरिल मिशेल के आखिरी ओवर में ऋषभ पंत ने दो गेंद शेष रहते चौका मारकर टीम को जीत दिलाई।

हालांकि मार्टिन गुप्टिल (42 गेंदों में 70 रन) और मार्क चैपमैन (50 गेंदों में 63 रन) की शानदार पारी के अलावा न्यूजीलैंड अपने तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन से खुश होगा। लेकिन उन्हें एहसास है कि मध्य क्रम के बल्लेबाजों को रन बनाने की जरूरत है। गुप्टिल और चैपमैन की 109 रन की साझेदारी के बाद बाकी बल्लेबाज अंतिम पांच ओवरों में तेज गति से रन नहीं बना सके। इसके कारण उनसे आखिर में 15-20 रन कम बने, जो उनसे उम्मीद नहीं थी। कीवी टीम यह भी चाहेगी कि पावर-प्ले में उसके गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन करें।

दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम में कुछ बदलाव देखने को मिल सकता है। क्योंकि पारी के अंतिम ओवर में मिशेल सेंटनर के शॉट मारने के बाद गेंद रोकते समय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के हाथ में चोट लग गई थी, जिससे अभी यह पता नहीं चल पाया है कि सिराज शुक्रवार के मैच के लिए उपलब्ध है या नहीं।

बैडमिंटन: इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधु

बाली (एजेंसी)।

18 नवंबर (आईएएनएस)। भारत की पीवी सिंधु ने गुरुवार को यहां तीन सेटों में स्पेन की क्लारा अजुरमेंडी को हराकर इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन 2021 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं।

ओलंपिक खेलों में दो बार की पदक विजेता और विश्व चैंपियन सिंधु ने पहला गेम गंवा दिया था, लेकिन अगले दो में जीत हासिल करने के लिए क्लारा अजुरमेंडी को 17-21, 21-7, 21-12 से हराया। स्पेन की रहने वाली 23 साल की क्लारा, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 56वें स्थान पर हैं, उन्होंने शानदार शुरुआत की और सिंधु के साथ 9-9 पर कब्जा कर लिया। लेकिन, बाद में भारतीय खिलाड़ी ने 2-2 से थोड़ी सी बढ़त बना ली। इसके बाद, स्पेन के खिलाड़ी ने लगातार चार अंक जीतकर बढ़त बनाई और पहले गेम को 21-17 से जीत लिया।

सिंधु ने अगले गेम में अपना दबदबा बनाते हुए शुरुआती बढ़त ले ली और खेल के दौरान लगातार 10 अंक जीतकर 15-4 से आगे बढ़ गई। इसके बाद, हैदराबाद की 26 साल की खिलाड़ी, जिसने अगस्त में टोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था, तीसरे गेम को 21-7 से जीता और क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

जितना सोचा था, उतना आसान मैच नहीं रहा: रोहित

जयपुर। न्यूजीलैंड को पहले टी20 मैच में पांच विकेट से हराने के बावजूद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि यह जीत उतनी आसान नहीं रही, जितनी सोची थी और उनके खिलाड़ियों के लिये यह अच्छा सबक रहा। भारत ने जीत के लिये 165 रन का लक्ष्य दो गेंद बाकी रहते पांच विकेट खोकर हासिल किया। रोहित ने मैच के बाद कहा ,'' हमने जितना सोचा था, यह उतना आसान नहीं रहा। इससे खिलाड़ियों को सबक मिला कि क्या करना चाहिये और हर समय पावर हिटिंग काम नहीं आती। '' उन्होंने कहा ,'' एक कप्तान के तौर पर मैं खुश हूं कि हम जीत गए। कुछ खिलाड़ियों की कमी खली लेकिन दूसरे खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिला।गेंदबाजों की तारीफ करनी होगी जिन्होंने न्यूजीलैंड को 180 के पास जाने से रोक दिया जो एक समय मुमकिन लग रहा था।'' वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान टिम साउदी ने कहा कि उनके बल्लेबाज पर्याप्त रन नहीं बना सके। उन्होंने कहा ,'' मार्क चैपमैन ने उम्दा बल्लेबाजी की लेकिन हम पर्याप्त रन नहीं बना सके। गेंदबाजों ने शुरूआत अपेक्षित नहीं रहने के बावजूद वापसी की और मैच को अंतिम ओवर तक ले गए जो सकारात्मक बात है।

ऋषभ पंत ने गुस्से में अपनी गर्लफ्रेंड को किया था ब्लॉक, इस वजह से मानसिक तनाव में थे क्रिकेटर

नई दिल्ली। खेल की दुनिया और बॉलीवुड का हमेशा से ही एक गहरा नाता रहा है। कुछ समय पीछे जाएं तो स्टार खिलड़ी मोहम्मद अजहरुद्दीन, युवराज सिंह, हरभजन सिंह, विराट कोहली सहित कई क्रिकेटर्स ने बॉलीवुड की एक्ट्रेस के साथ रिलेशनशिप के बाद शादी की है। इस कड़ी में भारतीय क्रिकेट टीम के कई और सितारें है लेकिन आज हम आपको क्रिकेटर ऋषभ पंत की निजी जिंदगी से जुड़ी खबर ऐसी खबर बताएंगे जिसे जानकार आपको लगेगा ये सेलेब्रिटी कपल भी आम कपल की तरह ही होते हैं। दरअसल ऋषभ पंत का नाम बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के साथ हमेशा से जोड़ा गया है। उर्वशी रौतेला और ऋषण को कई बार साथ में डिनर डेट पर भी देखा गया। है। हाल ही में हमने टी20 विश्वकप के दौरान भारत पाकिस्तान के मैच के दौरान स्टैंड में उर्वशी रौतेला को भी देखा था। उर्वशी रौतेला दुबई अपने बॉयफ्रेंड ऋषभ पंथ को सपोर्ट करने के लिए आयी थी। भारत पाकिस्तान का मैच हमेशा से ही फैंस की भावनाओं से जुड़ा रहा है। इस मैच के दौरान दोनों टीम के खिलाड़ियों पर काफी दबाव रहता है ऐसे में परिवार और फैंस के समर्थन से खिलाड़ियों के आंदर आत्मविश्वास बढ़ता है। एक अच्छी गर्लफ्रेंड की तरह उर्वशी रौतेला भी ऋषभ पंथ का हौंसला बढ़ाने के लिए मैच के देखने पहुंची थी।

दोनों के बीच अच्छा तालमेल हैं। लेकिन जैसा कि हर रिश्ते में एक टफ टाइम आता है जब लगता है कि ये रिश्ता खत्म हो जाएगा। एक ऐसा ही समय उर्वशी रौतेला और ऋषभ पंत की जिंदगी में आया था। साल 2018-19 के दौरान ऋषभ पंत का प्रदर्शन ठीक नहीं चल रहा था। वह कई बार बिना रन बनाए भी आउट हो गये थे। खराब प्रदर्शन से जूझ रहे क्रिकेटर काफी परेशान थे वह किसी से बातचीत नहीं करना चाहते थे। एक क्रिकेटर के तौर पर उसका प्रदर्शन ही उसके लिए सबकुछ होता है ऐसे में लगातार खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें आने वाली सीरीज में भी सलेक्ट नहीं किया गया था। क्रिकेटर अपने आपको समय देना चाहते थे वह अपनी कमियों पर काम करना चाहते थे। परेशान ऋषभ पंत को देखकर उर्वशी रौतेला लगातार उन्हें कॉल कर रही थी। वह उन्हें बार बार मैसेज और कॉल कर रही थी ताकि उनसे बात कर सके लेकिन ऋषभ पंत किसी से बात नहीं करना चाहते थे इल लिए उन्होंने उर्वशी के नंबर को ब्लॉक कर दिया था यहां तक कि उन्होंने उनका नंबर कॉल लॉग में भी ब्लॉक कर दिया था।

अपनी सुरक्षित और मजबूत बल्लेबाजी की तरह कोचिंग भी संभालेंगे द्रविड़: सुनील गावस्कर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिए टीम को बेहतर बनाने के लिए मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ कमान संभाल ली है। टी20 विश्व कप 2021 में खराब प्रदर्शन के चलते बाहर हुई भारतीय क्रिकेट टीम ने जयपुर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज का आगाज किया और अपने पहले ही मुकाबले को 5 विकेट से जीत लिया। इसी बीच दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा कि राहुल द्रविड़ मुख्य कोच के रूप में अपनी नई जिम्मेदारी को उसी तरह सुरक्षित और ठोस तरीके से निभाएंगे जैसे देश की तरफ से खेलते हुए उन्होंने बल्लेबाजी की थी।

स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में सुनील गावस्कर ने राहुल द्रविड़ की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जब वो (राहुल द्रविड़) खेला करते थे तो हम सोचते थे कि भारतीय बल्लेबाजी सुरक्षित और मजबूत है। इसलिए मेरा मानना है कि मुख्य कोच की नई जिम्मेदारी भी वह इसी तरह से निभाएंगे। वहीं, राहुल और रोहित के मामले में उन्होंने कहा कि वे सहजता से मिलकर काम करेंगे। सुनील गावस्कर ने कहा कि अगर आप उन दोनों के स्वभाव पर गौर करो तो वे एक जैसे हैं। रोहित भी राहुल द्रविड़ की तरह शांत स्वभाव के हैं। इसलिए उनके बीच आपसी संबंध बेहतर होंगे।

8 साल से नहीं जीता कोई खिताब

आपको बता दें कि भारतीय क्रिकेट टीम ने साल 2013 में आखिरी आईसीसी खिताब जीता है। ऐसे में 8 साल लंबे खिताब के सूखे को समाप्त करने की जिम्मेदारी अब राहुल द्रविड़ के कंधों पर आ गई है। साल 2022 का आईसीसी टी20 विश्व कप ऑस्ट्रेलिया में खेला जाना है और इसके लिए भारतीय क्रिकेट टीम का सफर न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले से शुरू हो चुका है। राहुल-रोहित युग का पहला टी20 मुकाबला जयपुर में खेला जा चुका है और अब अगला पड़ाव रांची में होगा, जहां से टीम कोलकाता जाएगी।

गौरतलब है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में विराट कोहली को आराम दिया गया है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव ने नंबर तीन पर बल्लेबाजी की और उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए 40 गेंद में 62 रन बनाए। जिसमें उन्होंने 6 चौके और 3 छक्के जड़े थे। जबकि कप्तान रोहित शर्मा ने 36 गेंद में 5 चौके और 2 छक्के की मदद से 48 रन की पारी खेली।

न्यूजीलैंड पर जीत के साथ भारतीय क्रिकेट के नये दौर की शानदार शुरूआत

जयपुर। भारतीय क्रिकेट के नये दौर का आगाज जीत के साथ करते हुए कप्तान रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव की शानदार पारियों के दम पर मेजबान टीम ने बुधवार को पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया। टी20 विश्व कप के खराब प्रदर्शन के गम को भुलाते हुए भारत ने नये कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा की अगुवाई में जीत के साथ शुरूआत की। जीत के लिये 165 रन का लक्ष्य भारत ने दो गेंद बाकी रहते पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। भारत की जीत के सूत्रधार सूर्यकुमार और रोहित रहे जिन्होंने क्रमशः 62 और 48 रन की पारियां खेली। सूर्यकुमार ने 40 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और तीन छक्के जड़े जबकि रोहित ने 36 गेंदों का सामना करके पांच चौके और दो छक्के लगाये। के एल राहुल 15 रन बनाकर आउट हो गए जबकि टी20 विश्व कप से बाहर रहने के बाद टीम में वापसी करने वाले श्रेयस अय्यर सहज नहीं दिखे और पांच रन बनाकर अपना विकेट गंवा दिये। पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रहे वेंकटेश अय्यर ने आते ही डेरिल मिशेल को चौका लगाया लेकिन अगली गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलने के प्रयास में रविंद्र रचिन को कैच दे बैठे। इसके बाद हालांकि ऋषभ पंत ने विजयी रन बनाकर भारत को जीत दिलाई। इससे पहले मार्टिन गुप्टिल और मार्क चैपमैन के अर्धशतकों की मदद से न्यूजीलैंड ने छह विकेट पर 164 रन बनाये। गुप्टिल ने 42 गेंद में 70 और चैपमैन ने 50 गेंद में 63 रन की पारी खेली। एक समय पर लग रहा था कि न्यूजीलैंड टीम 180 पार का स्कोर बनायेगी लेकिन रविचंद्रन अश्विन ने एक ही ओवर में दो विकेट लेकर रनगति पर अंकुश लगाया।

गुप्टिल ने अश्विन की गेंदबाजी की प्रशंसा की

नई दिल्ली। चार साल के बाद भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टी20 क्रिकेट में अफगानिस्तान के खिलाफ सिर्फ 14 रन देकर दो विकेट लेकर शानदार वापसी की। नामीबिया के खिलाफ उनके 20 रन देकर 3 विकेट लेने से पता चला कि भारतीय चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम में लेकर कोई गलत फैसला नहीं किया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बिरादरी जानती है कि अश्विन एक क्लास बॉलर हैं और अपने दम पर मैच को पलट सकते हैं। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल ने रविचंद्रन अश्विन की गेंदबाजी की प्रशंसा की है। जब ब्लैक कैप अच्छी स्थिति में थे तब अश्विन ने दो विकेट लिए। गुप्टिल ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनकी चतुराई की प्रशंसा की। गुप्टिल ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, वह एक क्लास और चतुर गेंदबाज हैं, वह हमेशा अपनी लाइन और लेंथ पर नियंत्रण रखते हैं। वह शायद ही कभी खराब गेंदें फेंकते हैं। उनको पढ़ना बहुत मुश्किल होता है।

आईसीसी यू-19 पुरुष विश्व कप 2022 में द. अफ्रीका के खिलाफ ओपनिंग करेगा भारत

रांची (एजेंसी)।

दुबई, 18 नवंबर (आईएएनएस)। वेस्टइंडीज पहली बार आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप के 14वें संस्करण की मेजबानी करेगा, जिसमें 16 टीमें कैरेबियन की यात्रा करेंगी। चार मेजबान देशों में 14 जनवरी से 5 फरवरी तक 48 मैच होंगे।

मुकाबला करने वाली सोलह टीमों में बांग्लादेश, इंग्लैंड, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात ग्रुप ए के रूप में देखेंगी, जिसमें नवोदित युगांडा को भारत, दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के साथ ग्रुप बी में रखा जाएगा। ग्रुप सी में पाकिस्तान, अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और पापुआ न्यू गिनी शामिल हैं और ग्रुप डी मेजबान वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को देखता है।

न्यूजीलैंड ने अपने घर लौटने पर नाबालिगों के लिए व्यापक अनिवार्य संगरोध प्रतिबंधों के कारण वापस लेने के बाद स्कॉटलैंड ने ग्रुप डी में टूर्नामेंट लाइनअप को पूरा किया।

चार मेजबान देशों की पुष्टि एंटीगुआ और बारबुडा, गुयाना, सेंट किट्स एंड नेविस और त्रिनिदाद और टोबैगो के रूप में की गई है, जिसमें दस स्थानों पर मैचों की मेजबानी की जाएगी। प्रारूप में चार समूहों में से प्रत्येक से शीर्ष दो टीमें सुपर लीग में आगे बढ़ेंगी, जबकि शेष टीमें 23 दिनों की प्रतियोगिता में प्लेट में शामिल होंगी। 48 मैचों का कार्यक्रम मेजबान वेस्टइंडीज के ऑस्ट्रेलिया से शुरू होगा, जिसमें श्रीलंका का सामना 14 जनवरी को गुयाना में स्कॉटलैंड से होगा। ग्रुप चरण 14 से 22 जनवरी के बीच गुयाना, सेंट किट्स एंड नेविस और त्रिनिदाद और टोबैगो में होगा। त्रिनिदाद और टोबैगो जनवरी 25 और 31 के बीच प्लेट प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा, जिसमें सुपर लीग 26 जनवरी से एंटीगुआ और बारबुडा में होगी। सेमीफाइनल 1 फरवरी को दो स्थानों पर खेला जाएगा। 2 फरवरी को सर विवियन रिचर्डस क्रिकेट ग्राउंड और कूलिज क्रिकेट ग्राउंड में और 5 फरवरी को फाइनल भी सर विवियन रिचर्डस क्रिकेट ग्राउंड में होगा।

आईसीसी के प्रमुख क्रिस टेटली ने बुधवार को एक बयान में कहा, हमें खुशी है कि वेस्टइंडीज इस आयोजन की मेजबानी करेगा और हम सभी टीमों को टूर्नामेंट के लिए और क्रिकेट वेस्टइंडीज को इस आयोजन की तैयारियों के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

वेस्टइंडीज ने 2016 में एक बार खिताब जीता है। भारत ने चार बार, ऑस्ट्रेलिया ने तीन बार, पाकिस्तान ने दो बार जबकि इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश ने एक-एक बार खिताब जीता है। सेंट किट्स एंड नेविस और गुयाना में नौ से 12 जनवरी के बीच 16 अभ्यास मैच होंगे।

पहले टी20 में हार के बाद साउदी बोले, हमने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी नहीं की

जयपुर। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन की अनुपस्थिति में भारत के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में टिम साउदी ने कीवियों का नेतृत्व किया। मैच के बाद उन्होंने कहा कि शुरुआत में उनके गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी नहीं की, जिससे उनकी पांच विकेट से हार हुई। सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और रोहित शर्मा ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 50 रन जुटाकर 165 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में मदद की। भारत ने पावरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 56 रन बनाए। हालांकि न्यूजीलैंड ने बीच के ओवरों में वापसी की और चीजों को बहुत करीब बना दिया, लेकिन शुरुआती गति ने भारत की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एससी ने पूछा- परम बीर सिंह दुनिया के किस हिस्से में हैं?

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह के वकील को जबरन वसूली के एक मामले में एक मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा घोषित अपराधी घोषित किया और यह पूछा कि वह दुनिया के किस हिस्से या देश में है, इन विवरणों के बिना, अदालत सुरक्षा की मांग करने वाली उनकी याचिका पर विचार नहीं करेगी।

न्यायमूर्ति एस.के. कौल ने सिंह का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता पुनीत बाली से कहा, 'आप कहां हैं, देश के भीतर या बाहर। सबसे पहले, मैं जानना चाहता हूं कि आप कहां हैं?'

बाली ने उत्तर दिया कि उनके मुवक्किल के ठिकाने के बारे में काउंसल-ऑन-रिकॉर्ड को पता चल जाएगा।

जस्टिस कौल ने काउंसल-ऑन रिकॉर्ड से जवाब मांगा, जिन्होंने जवाब दिया कि उन्हें सिंह के वर्तमान स्थान के बारे में जानकारी नहीं है।

पीठ ने कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से व्यवस्था में विश्वास की कमी होती है, 'आप जांच में शामिल नहीं हुए, कोई नहीं जानता कि आप कहां हैं?'

पीठ ने एक उदाहरण दिया कि यदि यह मान लिया जाए कि सिंह देश से बाहर हैं और लौटने की शर्त के रूप में एक अनुकूल अदालत के आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति कौल ने कहा, 'केवल अदालत का आदेश आपके पक्ष में है, आप आएंगे, कोई सुरक्षा नहीं और कोई सुनवाई नहीं। पहले, जवाब दें कि वह कहां है। दुनिया या देश के कौन से हिस्से में हैं?'

शीर्ष अदालत सिंह की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कथित रंगदारी के एक मामले में सुरक्षा आदेश देने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने मामले को सोमवार को आगे की सुनवाई के लिए निर्धारित किया है और सिंह के वकील से उनके वर्तमान स्थान का खुलासा करने को कहा है।

इस हफ्ते की शुरूआत में, मुंबई में एक मजिस्ट्रेट की अदालत ने सिंह को उनके और शहर के अन्य पुलिस अधिकारियों के खिलाफ जबरन वसूली के एक मामले में 'घोषित अपराधी' घोषित किया था।

मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने यह कहते हुए उद्घोषणा की मांग की थी कि उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी होने के बाद भी उसका पता नहीं लगाया जा सका है।

पिछले मामले में, सीबीआई के खिलाफ महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की याचिका पर सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति कौल ने कहा कि सिंह की अनुपस्थिति अच्छी स्थिति नहीं है और ऐसी चीजें न्यायिक प्रणाली में विश्वास की कमी का कारण बनती हैं।

शीर्ष अदालत ने देशमुख की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सीबीआई, ईडी द्वारा उनके खिलाफ प्रारंभिक जांच के रिकॉर्ड पेश करने और कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच के लिए एक एसआईटी के गठन के लिए सीबीआई को निर्देश देने की मांग की गई थी।

भारत ने 100 से अधिक देशों को भेजा कोरोना टीका : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत ने इस साल 100 से अधिक देशों को कोविड-19 रोधी टीकों की 6.5 करोड़ खुराक का निर्यात किया और आने वाले दिनों में वह अपनी क्षमता में वृद्धि करने के बाद और भी खुराक निर्यात करेगा। मेडिसिन सेक्टर के पहले ग्लोबल इनोवेशन समिट में प्रधानमंत्री ने दावा किया कि भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र ने जो वैश्विक भरोसा हासिल किया है उसकी वजह से आज देश को 'दुनिया की फार्मेसी' कहा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत की नजर इनोवेशन के लिए एक ऐसा माहौल विकसित करने पर है जिससे देश, दवाओं की खोज और मेडिकल इक्विपमेंट के क्षेत्र में दुनिया का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा, ''हमारी नीतियां सभी हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के आधार पर बन रही हैं।''

प्रधानमंत्री ने भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की क्षमता वाले वैज्ञानिकों और साइंटिस्ट की व्यापक उपलब्धता का हवाला देते हुए कहा कि ''खोज करने और भारत में निर्माण करने'' की क्षमता का और भी उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''आज करीब 13 अरब डॉलर के व्यापार अधिशेष और 30 लाख लोगों को रोजगार देने वाला फार्मा क्षेत्र देश की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में वर्ष 2014 से 12 अरब डॉलर से अधिक विदेशी निवेश आया है। क्षेत्र की क्षमता इससे कहीं अधिक है।'' उन्होंने इस क्षेत्र में निवेश करने वालों से भारत में निवेश करने का आग्रह भी किया।

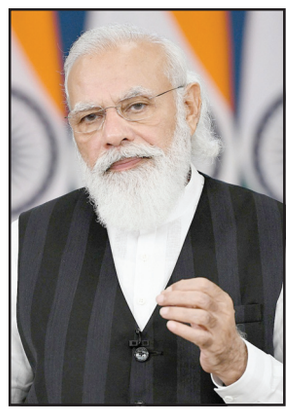

इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत के दवा उद्योग में नवाचार के उत्कृष्ट परिवेश या माहौल को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्राथमिकताओं पर चर्चा करना और रणनीति बनाने के लिए सरकार और उद्योग जगत के प्रमुख भारतीय और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों, शिक्षाविदों, निवेशकों और शोधकर्ताओं को एक मंच पर लाना है। इस दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के दौरान 12 सत्र होंगे और 40 से भी अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वक्ता नियामकीय माहौल, नवाचार का वित्त पोषण या धनराशि की व्यवस्था करने, उद्योग-अकादमिक सहयोग और नवाचार संबंधी बुनियादी ढांचागत सुविधाओं सहित कई विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे।

इस शिखर सम्मेलन में देश-विदेश के फार्मा या दवा उद्योगों के प्रमुख सदस्य, अधिकारी, निवेशक और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जॉन हॉपकिन्स इंस्टीट्यूट, आईआईएम अहमदाबाद और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के शोधकर्ता भाग लेंगे। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया भी इस अवसर पर मौजूद थे।

चीन ने भूटान क्षेत्र में बसाए नए गांव

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। चीन ने पिछले एक साल में डोकलाम के पास भूटान क्षेत्र में नए गांव बसाए हैं। नई उपग्रह तस्वीरों (सैटेलाइट इमेज) से इसकी पुष्टि हुई है।

तस्वीरों से पता चलता है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा मई 2020 और नवंबर 2021 के बीच लगभग 100 वर्ग किमी में चार गांव बसाए गए हैं।

ऐसा लगता है कि निर्माण उसी समय शुरू हुआ है, जब पीएलए ने पूर्वी लद्दाख और सिक्किम सेक्टर में कई स्थानों पर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया था।

डोकलाम पठार 2017 में सुर्खियों में था, जब भारतीय सेना और चीन की पीएलए के बीच 70 दिनों से अधिक समय तक गतिरोध बना हुआ था। भारतीय सैनिकों की ओर से इलाके में तैनाती बढ़ाने और अपनी संप्रभुता के लिए डटे रहने के बाद चीनी सेना को क्षेत्र से पीछे हटना पड़ा था।

डोकलाम भारत, चीन और भूटान के बीच त्रि-जंक्शन पर एक पठार और एक घाटी से युक्त 100 वर्ग किमी का क्षेत्र है। यह तिब्बत की चुंबी घाटी, भूटान की ही घाटी और भारतीय राज्य सिक्किम से घिरा हुआ है।

2017 में, चीन डोकलाम में ढांचागत विकास कार्य कर रहा था, जिस पर भारत ने आपत्ति जताई थी।

चीन ने तब दावा किया था कि भूटान और चीन के बीच सीमा विवाद है और जिस पर भारत का कोई दावा नहीं है।

हालांकि, भारत ने इसका खंडन किया और 73 दिनों तक चीनी सैनिकों की तैनाती की बराबरी करते हुए उसके सैनिक वहीं डटे रहे।

पिछले महीने, चीन और भूटान ने अपने सीमा विवादों को हल करने के लिए तीन-चरणीय रोडमैप पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। जवाब में, भारत ने कहा कि उसकी इस घटनाक्रम पर नजर बनी हुई है।

भूटान और चीन के बीच सीमा वार्ता 1984 में शुरू हुई थी और दोनों पक्षों ने विशेषज्ञ समूह स्तर पर 24 दौर की सीमा वार्ता और 10 दौर की बैठक की। इससे पहले भूटान अपनी जमीन पर चीनी घुसपैठ को लेकर कई बार आपत्ति जता चुका है।

कंगना के 'भीख' वाले बयान पर थरूर बोले- उन्हें फिर से इतिहास पढ़ना चाहिए

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत के 'भीख में मिली आजादी' वाली बयान पर कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने पलटवार किया है। थरूर ने कहा कि कंगना रनौत को इतिहास की जानकारी नहीं। शशि थरूर ने कहा कि मुझे लगता है कि कंगना रनौत को अपने इतिहास को फिर से पढ़ना चाहिए। पिछले दिनों पद्मश्री पुरस्कार पाने के बाद कंगना ने बयान दिया था कि असल आजादी तो साल 2014 में मिली। 1947 में तो भीख मिली थी।

एनडीटीवी से बातचीत करते हुए कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कहा कि मुझे लगता है कि उन्हें अपने इतिहास को फिर से पढ़ना चाहिए, उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं है कि वो क्या कह रही है। थरूर ने आगे कहा कि क्या कंगना रनौत को सच में लगता है कि महात्मा गांधी आजादी के लिए भीख मांगेंगे। महात्मा गांधी तो ऐसे शख्स थे जिन्होंने अंग्रेजों से कहा था कि आपका कानून अन्याय करता है और मैं उसको तोड़ता हूं, आप मुझे सजा दीजिए। मैं आपकी दी हुई सजा को स्वीकार करूंगा। क्या कोई भीख मांगने वाला व्यक्ति ऐसा करता है।

थरूर ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के बारे में इस तरह की बात करना भी हास्यास्पद है। कल्पना कीजिए कि बिना हथियार ऐसी जगह जाना जहां आगे से लाठियां बरसें। लाला लाजपत राय की हत्या ही अहिंसक प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज में सिर पर लाठी लगने से हुई थी। इसमें ज्यादा साहस की जरूरत होती है, बजाय कि बंदूक लेकर किसी को मारने जाना और सामने से गोली खाने के। थरूर ने कहा कि कंगना को फिर से इतिहास पढ़ने की जरूरत है।

बता दें कि कंगना रनौत ने एक टीवी प्रोग्राम में यह कहा था कि 1947 में मिली आजादी भीख थी और हमें असली आजादी 2014 में मिली। इस बयान का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिसके बाद कंगना ने यह तक कहा कि अगर कोई यह साबित कर दे कि उन्होंने शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों का अपमान किया है तो वह अपना पद्मश्री पुरस्कार वापस लौटा देंगी।

सीबीआई और ईडी प्रमुखों के कार्यकाल बढ़ाने वाले अध्यादेश को कांग्रेस ने दी चुनौती, एससी में दाखिल की याचिका

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस केंद्र सरकार की ओर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई प्रमुखों के कार्यकाल 5 साल तक बढ़ाने वाले अध्यादेशों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। कांग्रेस महासचिव और मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए अध्यादेशों को रद्द करने की मांग की है। अपनी याचिका में सुरजेवाला ने अध्यादेश को जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता को नष्ट करने वाला बताया है।

सुरजेवाला ने दावा किया कि ये अध्यादेश भारत सरकार को ईडी और सीबीआई के निदेशकों के कार्यकाल के लिए एक-एक साल के लिए टुकड़े-टुकड़े के रूप में विस्तार प्रदान करने का अधिकार देते हैं। सुरजेवाला की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि इनमें सार्वजनिक हित' के अस्पष्ट संदर्भ के अलावा कोई मानदंड प्रदान नहीं किया गया है। वास्तव में ये सरकार की व्यक्तिपरक संतुष्टि पर आधारित है। इसका प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव जांच एजेंसियों की स्वतंत्रता को नष्ट करने का है।

याचिका में आगे कहा गया है कि इसके साथ-साथ ये कदम वास्तव में जांच एजेंसियों पर कार्यपालिका के नियंत्रण की पुष्टि करता है, उनके स्वतंत्र कामकाज के लिए सीधे विरोधी है। कांग्रेस नेता ने कहा है कि सीबीआई और ईडी के डायरेक्टरों का दो साल का एक फिक्स कार्यकाल था, लेकिन अब उन्हें हर साल विस्तार दिया जा सकता है, जब तक कि उनकी नियुक्ति की शुरुआती तिथि से पांच साल से अधिक न हो।

सुरजेवाला ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत की भी मांग की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि अध्यादेश ऐसे संस्थानों की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर जारी अदालती आदेशों का उल्लंघन करते हैं और अधिकारियों की ओर से सत्ता के स्पष्ट दुरुपयोग को भी दर्शाते हैं।

बता दें कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में यह तीसरी याचिका दायर की गई है। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस की नेता और सांसद महुआ मोइत्रा ने भी याचिका दाखिल की है। इन दोनों याचिकाओं के अलावा वकील एमएल शर्मा ने भी केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

दिल्ली मेट्रो फेज-3 की चुनौतियों के संबंध में डॉक्यूमेंट्री फिल्म

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। गोवा में इस वर्ष 20 से 28 नवंबर के बीच होने वाले भारत के 52वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) के लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) द्वारा प्रस्तुत 'चुनौतियों पर विजय' नामक शीर्षक की डॉक्यूमेंट्री फिल्म को प्रतिष्ठित भारतीय चित्रमाला सेक्शन में चित्रण के लिए चुना गया है।

दरअसल यह दूसरी बार है जब डीएमआरसी द्वारा बनाई गई किसी डॉक्यूमेंट्री फिल्म को इतनी मान्यता मिली है। अपने चरण-2 के दौरान दिल्ली मेट्रो ने सामने आई इंजीनियरिंग चुनौतियों पर बनी एक फिल्म ने 2012 में गैर-फीचर फिल्मों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ प्रचार वाली फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता था।

वहीं 28 मिनट लंबी गैर फीचर फिल्म, डीएमआरसी द्वारा अपने तीसरे चरण के विस्तार के दौरान अनुभव की गई विभिन्न निर्माण संबंधी चुनौतियों को बताती है। दरअसल दिल्ली मेट्रो के मुताबिक, फेज-3 में डीएमआरसी ने 190 किलोमीटर नई लाइनों का निर्माण किया और पुरानी दिल्ली की घनी बस्तियों में निर्माण, आश्रम के अत्यंत व्यस्त सड़क चौराहे को पार करना और हौज खास में दिल्ली मेट्रो के सबसे गहरे स्टेशन का निर्माण करना जैसी विविध चुनौतियों का सामना भी किया।

फिल्म का निर्माण अपने आप में एक कठिन काम था क्योंकि चुनौतियों पर गहन शोध अधिकारियों की एक समर्पित टीम द्वारा किया जाना था, जिसके बाद इंजीनियरों के लंबे साक्षात्कारों की रिकॉर्डिंग की गई थी। फिल्म की वास्तविकता बनाए रखने के लिए प्रासंगिक अभिलेखीय फुटेज की पुनर्खरासि के साथ-साथ विभिन्न स्थानों की व्यापक शूटिंग की जानी थी।

भविष्य में फिल्म की परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए फेज-3 के अंतर्गत निर्माणाधीन सभी साइटों की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी 5-6 वर्षों तक की जाती रही।

इससे पहले 'द ड्रीम फुलफिल्ड - मेमोरीज ऑफ द इंजीनियरिंग चैलेंजेज' ने प्रतिष्ठित 'रजत कमल' पुरस्कार जीता था और तत्कालीन राष्ट्रपति द्वारा फिल्म को सम्मानित किया गया था।

क्या पीएम संसद के भीतर गुणवत्तावूर्ण चर्चा में कभी भाग लेंगे? : चिदंबरम

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से संसद व विधानसभाओं में गुणवत्तापूर्ण चर्चा के लिए अलग से समय निर्धारित करने की जरूरत पर जोर दिए जाने को लेकर गुरूवार को उन पर कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री संसद के भीतर ऐसी चर्चा में कभी भाग लेंगे।

पूर्व गृह मंत्री ने ट्वीट किया, यह पढ़ना दिलचस्प है कि प्रधानमंत्री ने संसद में गुणवत्तापूर्ण चर्चा की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया है कि गुणवत्तापूर्ण चर्चाओं के लिए अलग से समय तय किया जाए। सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री संसद में होने वाली चर्चा में कभी भाग लेंगे?

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के 82वें सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए सदनों में स्वस्थ व गुणवत्तापूर्ण चर्चा के लिए अलग से समय निर्धारित करने का विचार साझा किया और कहा कि ऐसी चर्चाओं में मर्यादा व गंभीरता का पूरी तरह से पालन हो तथा कोई किसी पर राजनीतिक छींटाकशी ना करे। उन्होंने कहा, एक तरह से वह सदन का सबसे स्वस्थ समय हो, स्वस्थ दिन हो।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर बीजेपी ने विपक्षी सरकारों पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। भाजपा ने विपक्षी दलों के राज्य सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के बावजूद नरेंद्र मोदी सरकार ने लोगों को राहत देने के लिए एक्साइज ड्यूटी को घटा दिया। एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी जनता को राहत देने के लिए वैट में कटौती कर दी लेकिन विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को जनता के हितों से कोई मतलब नहीं है।

भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि केंद्र और एनडीए शासित राज्यों द्वारा दिए गए छूट की वजह से भारत के लोगों को 88 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई है। उन्होंने कहा कि दूसरे शब्दों में कहा जाए तो यह 88 हजार करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि लोगों की जेबों में बची है और इसकी वजह से उनकी क्रय क्षमता बढ़ेगी और आने वाले दिनों में इसकी वजह से अर्थव्यवस्था में डिमांड भी बढ़ेगी।

विपक्षी शासित राज्यों पर हमला बोलते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर हंगामा करने वाले विपक्षी दलों द्वारा शासित 9 राज्यों ने अभी तक जनता को कोई राहत नहीं दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के फैसले के बाद एनडीए शासित तमाम राज्यों ने अपनी तरफ से वैट घटा दिया लेकिन विरोधी दलों की सरकारों में से अभी तक सिर्फ राजस्थान ने ही वैट घटाया है।

गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि विरोधी दलों द्वारा शासित 9 राज्यों - आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल ने अभी तक जनता को अपनी तरफ से कोई राहत नहीं दी है। उन्होंने इसे लेकर इन तमाम राज्यों के मुख्यमंत्रियों की आलोचना भी की।

पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता ने दावा किया कि कोरोना के कठिन दौर के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर मोदी सरकार ने हमेशा सही समय पर, सही दिशा में सही कदम उठाकर भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया है।

अग्रवाल ने कहा कि कोरोना काल में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कम कीमत के बावजूद सरकार ने उस समय पेट्रोल-डीजल की कीमत को इसलिए नहीं घटाया था क्योंकि उससे मिलने वाले टैक्स का इस्तेमाल संसाधनों को बढ़ाने के लिए किया गया था, ताकि कोरोना के संकट काल में अन्य क्षेत्रों को मजबूती दी जा सके। लेकिन अब अर्थव्यवस्था की जरूरत के अनुसार और महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ रही कीमतों के बावजूद सरकार ने एक्साइज घटा कर लोगों को राहत देने का काम किया है।

एयर इंडिया के निजीकरण का हवाला देते हुए भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि 18 साल बाद किसी पीएसयू का निजीकरण किया गया है और अभी कई अन्य पीएसयू का भी निजीकरण किया जाना है और यह सरकार की इच्छाशक्ति और मजबूत इरादों को दिखाता है।

हर घंटे, हर दिन की कीमत चुकानी पड़ेगी, देशमुख को गिरफ्तार करने वालों को शरद पवार की धमकी

नागपुर, 18 नवम्बर (एजेन्सी)। महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृह मंत्री और एनसीपी नेता अनिल देशमुख की गिरफ्तारी को लेकर पार्टी चीफ शरद पवार का गुस्सा फूटा है। शरद पवार ने बीजेपी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि जिन लोगों ने अनिल देशमुख को जेल भिजवाने में भूमिका निभाई है, उन्हें ऐसा करने की कीमत चुकानी पड़ेगी। पवार ने बुधवार को नागपुर में एक रैली के दौरान देशमुख को बेगुनाह बताते हुए ये बातें कहीं।

अनिल देशमुख को मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में हैं। इतना ही नहीं पवार ने अनिल देशमुख पर कई आरोप लगाने वाले मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह के लापता होने पर भी सवाल उठाए। परमबीर सिंह के आरोपों के बाद ही अनिल देशमुख को मंत्रीपद से इस्तीफा देना पड़ा था।

शरद पवार ने नागपुर में कहा, 'हमने अनिल बाबू का केस देखा। उनका अपराध क्या था? आप सब अच्छे से जानते हैं। एक दिन, परमबीर सिंह मुझसे मिलने आए और बताया कि उन्होंने सीएम से देशमुख की शिकायत की है। जब मैंने उनसे पूछा कि यह शिकायत किस बारे में है, तो उन्होंने कहा कि देशमुख ने उन्हें उगाही करने का निर्देश दिया था। तब मैंने परमबीर से पूछा कि क्या उसने निर्देश माना। उन्होंने न में जवाब दिया। समझ नहीं पाया कि देशमुख का अपराध क्या था? क्या उनके कथित निर्देश का पालन न हो पाना?'

बता दें कि परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि देशमुख ने उन्हें हर महीने मुंबई के कारोबारियों और अन्य व्यवसायीयों से 100 करोड़ रुपये की उगाही करने का निर्देश दिया था। ये आरोप परमबीर सिंह ने मुंबई पुलिस कमिश्नर पद से ट्रांसफर किए जाने के तुरंत बाद लगाए थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार ने कहा, 'आप (बीजेपी) एक आदमी (देशमुख) के खिलाफ प्रॉपगेंडा फैला रहे हैं। देशमुख मेरे पास आए थे और बताया था कि पुलिस कमिश्नर ने उनके खिलाफ शिकायत की है। जांच पूरी होने तक वह अपने पद पर नहीं रहना चाहते थे, इसलिए उन्होंने गृह मंत्री पद से इस्तीफा दिया। हम चुप नहीं बैठेंगे। आपने देशमुख को सलाखों के पीछे भेजा है और आपको हर दिन, हर घंटे की कीमत चुकानी पड़ेगी।'

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com